मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 19 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन शुक्ल 2 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 159 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 बांग्लादेश सरकार में हिंदु समुदाय के सांसदों को मंत्री बनाने के निहितार्थ

इंटरव्यू : लहजे से नहीं,लगन से बनती है पहचान : मृणाल ठाकुर 6

खेलगांव थाना क्षेत्र से युवक का शव बरामद होने से दहशत, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के खेलगांव थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। थाना क्षेत्र के गाड़ीगांव स्थित पाहन टोली से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अज्ञात अपराधियों ने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही खेलगांव थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक बाइक भी बरामद की गई है, जिसे पुलिस जांच के दायरे में ले चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि मृतक उसी बाइक से घटनास्थल तक पहुंचा होगा या फिर अपराधियों ने उसे वारदात के बाद वहां छोड़ दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह इलाके में शव देखे जाने के बाद सनसनी फैल गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थानों में गुमशुदगी की जानकारी खंगाल रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आपसी रंजिश, लूट या अन्य किसी कारण से वारदात को अंजाम दिए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू कर दी है।

इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस ने जल्द ही मामले के खुलासे का भरोसा दिलाया है।

रांची से गायब दो बच्चे सकुशल बरामद पुलिस ने पूरी रात चलाया तलाशी अभियान

रांची: राजधानी रांची के इस्लामनगर इलाके से दो बच्चों गायब होने के बाद सनसनी फैल गई। 12 वर्षीय समर और 10 वर्षीय सदफ के अचानक गायब होने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई हैं। परिजनों ने बच्चों के लापता होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई और मौके पर सिटी एसपी, सिटी डीएसपी, कोतवाली डीएसपी और सदर डीएसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे।

पुलिस ने पूरी रात इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आसपास के लोगों से गहन पूछताछ की। जांच के दौरान पता चला कि दोनों बच्चे कांटाटोली स्थित अपने एक दोस्त के घर चले गए थे। दोनों बच्चों की सकुशल बरामदी रांची पुलिस की एक बड़ी सफलता है।

क्या बंद होंगी फ्री वाली सरकारी योजनाएं? सुप्रीम कोर्ट ने लगायी फटकार

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु बिजली बोर्ड को उपभोक्ता की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को मुफ्त बिजली देने का वादा करने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने राज्यों द्वारा अपनाई जा रही निःशुल्क सेवा संस्कृति की कड़ी आलोचना की। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यह विकास में बाधा डालती है।

कोर्ट ने कहा कि केवल फ्रीबीज बांटने के बजाय पार्टियों को ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो लोगों की जिंदगी बेहतर करें, जैसे बेरोजगारी दूर करने की योजनाएं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि इस तरह संसाधन बांटने से देश के आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य पहले से घाटे में चल रहे हैं, तो फिर भी मुफ्त योजनाएं क्यों दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सालाना आय का 25 प्रतिशत विकास कार्यों में क्यों नहीं लगाया जाता। सरकारें बजट में स्पष्ट प्रस्ताव और खर्च का कारण बताएं : कोर्ट ने साफ किया कि यह मामला किसी एक राज्य का नहीं, बल्कि सभी राज्यों का है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि सरकारें बजट में स्पष्ट प्रस्ताव और खर्च का कारण बताएं।

रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम कर सरकार : द्रमुक सरकार की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि राज्यों को सभी को मुफ्त भोजन, साइकिल और बिजली देने के बजाय रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम करना चाहिए।

नहर में गिरी तेज रफ्तार कार, चार युवकों की मौत

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। नगला देविया मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। कार में सवार सभी युवक एक शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया। इससे पहले ग्रामीणों ने युवकों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

मथुरा के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद रावत ने बताया कि रात करीब 9 बजे चार युवक कार से जा रहे थे। संभवतः वाहन तेज रफ्तार में था और चालक मोड़ को देख नहीं सका। कार पहले एक सीमेंटेड टंकी से टकराई, जिससे टंकी टूट गई और वाहन पलट गया। वहां मौजूद 5-6 मीटर गहरे नाले में कार गिर गई।

एसपी के अनुसार, ग्रामीणों ने तुरंत कार सवारों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और ट्रैफिक टीम क्रेन के साथ मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और वाहन को भी नहर से बाहर निकाल लिया गया है। मामले की जांच जारी है। मृतकों की पहचान राहुल (23), मोहित (21), अमित (23) और एक अन्य युवक के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार अमित चला रहा था। सभी युवक गोवर्धन निवासी थे और डीग में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग मौके पर पहुंचकर बिलख पड़े। पुलिस तेज रफ्तार और संभावित लापरवाही को हादसे का प्रमुख कारण मानते हुए मामले की जांच कर रही है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में बोले पीएम मोदी

एआई इतिहास का परिवर्तनकारी क्षण,यह मानव सामर्थ्य को कई गुना बढ़ाएगी

नई दिल्ली: इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि एआई मानव इतिहास का परिवर्तनकारी क्षण है और यह मानव सामर्थ्य को कई गुना बढ़ाएगी। समिट में अपने मुख्य संबोधन में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एआई दुनिया के बड़े टेक्नोलॉजी बदलाव की तरह है। बस इसमें फर्क यह है कि पहले की तरह नई टेक्नोलॉजी आने में दशकों का समय नहीं लग रहा है, बल्कि यह बदलाव काफी तेज हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज मशीन लर्निंग से लर्निंग मशीन तक का सफर तेज भी है, गहरा भी है और व्यापक भी है। हमें विजन भी बड़ा रखना है और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है। वर्तमान पीढ़ी के साथ ही हमें इस बात की भी चिंता करनी है कि आने वाली पीढ़ियों के हाथों में हम एआई का क्या स्वरूप सौंपकर जाएंगे। इसलिए, आज असली प्रश्न ये नहीं है कि भविष्य में एआई क्या कर सकती है। प्रश्न ये है कि वर्तमान में हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ क्या करते हैं।

इस समिट का मूल उद्देश्य एआई को मशीन केंद्रित से मानव केंद्रित और संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने पर है। पीएम ने कहा कि भारत एआई को किस दृष्टि से देखता है। उसका स्पष्ट प्रतिबिंब इस समिट की थीम सर्वजन हिताय झ सर्वजन सुखाय में है। यही हमारा बेंचमार्क है। एआई के लिए इंसान सिर्फ डेटा प्वाइंट न बन जाए, इंसान सिर्फ रॉ मटेरियल तक सीमित न रह जाए। इसलिए एआई को लोकतंत्रीकरण करना होगा। इसे ग्लोबल साउथ में समावेशन और सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मौजूदा समय में कई बड़ी कंपनियां एआई को रणनीतिक संपत्ति मानती है और कोड को सीक्रेट रखती हैं, लेकिन भारत का मानना है कि एआई का इस्तेमाल तभी दुनिया की भलाई के लिए तभी हो सकता है, जब इसके कोड सार्वजनिक होंगे।

समाचार सार

ग्रामीणों ने कुटाम गुरुकुल पर लगाया आदिवासी जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप, विरोध प्रदर्शन

सिल्ली : कुटाम भक्ति वेदांत गुरुकुल में सैकड़ों ग्रामीण, सरना झंडा लेकर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि कुटाम गुरुकुल द्वारा आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है और उनके संसाधनों का शोषण किया जा है। आदिवासी नेता और भारत आदिवासी पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा ने कहाकि आदिवासियों के अधिकारों और उनके विकास के लिए कई आंदोलन चलाए गये हैं। पहले भी जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समुदाय के अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए कुटाम गुरुकुल के खिलाफ आदिवासी संगठनों ने कई बार प्रदर्शन किया है और सरकार से अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की है। उन्होंने कहाकि उनकी मागों को नजरअंदाज किया गया तो उग्र आंदोलन होगा।

कुटाम भक्तिवेदांत गुरुकुल के बारे में बताया जाता है स्थानीय सांसद संजय सेठ के सांसद मद से 56 लाख की लागत से बनने वाले चार कमरे व पूर्व विधायक सुदेश महतो के विधायक मद 56 लाख की लागत से चार कमरा बना है। इसके अलावा, हिंडालको के सीएसआर फंड से लाखों रूपए की लागत किचन का निर्माण हुआ है जिसका नाम अन्नपूर्णा गृह रखा गया है।

प्रक्षेत्र दिवस पर किसानों को दी गई जानकारी

तिलहन उत्पादन और प्राकृतिक खेती पर जोर

संवाददाता

चतराः कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा की ओर से हंटरगंज प्रखंड के उरैली पंचायत अंतर्गत खुटहेरा में बुधवार को बीबीएम सरसों प्रभेद पर संकुल प्रत्यक्षण प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा, कृषि विज्ञान केन्द्र, धनबाद, कृषि विज्ञान केन्द्र, बोकारो तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, गिरिडीह की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. आरएम मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा की गई। उन्होंने तिलहन फसलों के अंतर्गत संचालित संकुल प्रत्यक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि इस वर्ष केन्द्र द्वारा 200 हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों बीज एवं आवश्यक कृषि आदान का वितरण किया गया है।डॉ. रेखा सिन्हा, निदेशक प्रसार शिक्षा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय कांके, रांची ने निर्देश दिया कि जहां-जहां संकुल प्रत्यक्षण संचालित हो रहे हैं, वहां कम से कम एक किसान गोष्ठी अथवा प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया जाए। कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर के भ्रमण के दौरान उन्होंने किसानों की सहभागिता बढ़ाने हेतु कम से कम पाँच प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना करने तथा किसान केन्द्रित गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर बल दिया। साथ ही मृदा परीक्षण कार्यों में वृद्धि कर अधिकाधिक कृषकों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन से जोड़ने का निर्देश दिया।डॉ. जे. लाल, अतिरिक्त निदेशक प्रसार शिक्षा ने किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी प्रत्यक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. अनिल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, धनबाद ने प्राकृतिक खेती पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. रंजय कुमार सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, बोकारो ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण की जानकारी दी। डॉ. संजय कुमार साथी, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गिरिडीह ने बी.बी.एम.-1 सरसों प्रभेद की विशेषताओं एवं उन्नत उत्पादन तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों को भी रखा। किसान अलख नारायण सिंह ने तिल एवं मूंग के उत्तम एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने की मांग की। वही विवेक नारायण सिंह ने नीलगाय से फसलों को हो रही क्षति की समस्या उठाई तथा प्रभावी नियंत्रण उपाय की आवश्यकता बताई। महावीर प्रसाद सिंह ने सिंचाई की समुचित व्यवस्था एवं बेहतर जल प्रबंधन प्रणाली विकसित करने की मांग की।कार्यक्रम में डॉ. सुनीता कुमारी कमल, वैज्ञानिक (गृह विज्ञान), शिवेन्द्र कुमार दुबे, कृषि प्रबंधक,उपेन्द्र कुमार सिंह, कार्यक्रम सहायक, अमित आनंद, सहायक, रवि,उरैली पंचायत के उप मुखिया पिंटू सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित किसानों ने वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाने एवं उन्नत कृषि तकनीकों के प्रसार हेतु सहयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आज से माहे रमजान शुरू

इस पाक महीने में क्या करें और क्या न करें?

संवाददाता

रांचीः सऊदी अरब में 17 फरवरी 2026 को रमजान का चांद दिखाई दे चुका है, जिसके बाद वहां 18 फरवरी से रोजे शुरू हो गए हैं। आमतौर पर भारत में सऊदी अरब के एक दिन बाद रमजान की शुरूआत होती है। ऐसे में 18 फरवरी की शाम भारत में शाबान की 29वीं रात मानी गयी और चांद देखने की रस्म अदा की गयी। देशभर में आज यानी 19 फरवरी से रमजान का पहला रोजा रखा जाएगा।

जकात और सदका देना बहुत जरूरीः रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना होता है और इसे सबसे पवित्र महीनों में गिना जाता है। मान्यता है कि इसी महीने में पवित्र कुरआन शरीफ का अवतरण शुरू हुआ था। यह महीना केवल भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, इबादत और इंसानियत को मजबूत करने का समय है। रमजान को रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना कहा जाता है। इस दौरान मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। रोजा रखने से इंसान में धैर्य, अनुशासन और आत्मसंयम की भावना बढ़ती है। दिनभर भूखा-प्यासा रहने से जरूरतमंदों की तकलीफ का एहसास होता है और समाज में भाईचारा मजबूत होता है। इस महीने में जकात और सदका देना भी बहुत जरूरी माना गया है। अपनी कमाई का एक हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों को देने से समाज में समानता और सहयोग की भावना बढ़ती है। रमजान की आखिरी दस रातें खास होती हैं। इन्हीं में शब-ए-कद्र की रात आती है, जिसे हजार महीनों से बेहतर बताया गया है।

रमजान में क्या करें?

- **पांच वक्त की नमाज समय पर अदा करें।**
- **रोजाना कुरआन शरीफ पढ़ें या उसकी तिलावत सुनें।**
- **सेहरी जरूर करें, इसे बरकत का समय माना गया है।**
- **इफ्तार खजूर और पानी से खोलना बेहतर माना जाता है।**
- **जकात और सदका देकर जरूरतमंदों की मदद करें।**
- **गुस्से और गलत बातों से दूर रहें, अच्छे व्यवहार को अपनाएं।**
- **इफ्तार में संतुलित और सेहतमंद भोजन लें।**

मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड वासियों को दीं रमजान की शुभकामनाएं

रांचीः पवित्र माह-ए-रमजान की शुरूआत के अवसर पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने प्रदेशवासियों को हार्दिक मुबारकबाद दी है। उन्होंने राज्य में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ की।

मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि रमजान बरकत, रहमत और मगफिरत (माफी) का महीना है। इस महीने में लोग रोजा रखकर अपने देश, राज्य और परिवार की सलामती के लिए दुआ करते हैं। उन्होंने कहा कि रोजा सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह सब्र, परहेजगारी और खुद को बेहतर बनाने का संदेश देता है।मंत्री ने आगे कहा कि तरावीह की नमाज के जरिए लोग अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं और सच्चे दिल से की गई दुआ जरूर कबूल होती है। रमजान को उन्होंने इम्तेहान का महीना बताया, लेकिन साथ ही कहा कि यह रहमतों और नेमतों से भरा हुआ समय भी है।

मंत्री ने समाज के लोगों से अपील की कि इस पवित्र महीने में ज्यादा से ज्यादा जकात और खैरात दें तथा जरूरतमंदों की मदद करें, ताकि समाज में प्यार, भाईचारा और हमदर्दी बनी रहे। अंत में उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को माह-ए-रमजान की दिली मुबारकबाद दी।

रमजान का महीना हर मुसलमान के लिए खुद को बेहतर बनाने और अल्लाह के करीब जाने का मौका होता है।

सहरी और इफ्तार का महत्वः सहरी वह समय है जब फज्र की नमाज से पहले भोजन किया जाता है। यह पूरे दिन की ऊर्जा का आधार होता है। वहीं इफ्तार पूरे दिन के रोजे के बाद राहत और शुक्राने का पल होता है। हर रोजेदार के लिए सही समय जानना जरूरी होता है, क्योंकि सहरी का समय खत्म होते ही रोजा शुरू हो जाता है और सूर्यास्त के साथ इफ्तार का समय होता है।

राजकीय इटखोरी महोत्सव का भव्य उद्घाटन आज, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम

- राज्य के वित्त एवं पेयजल मंत्री करेंगे महोत्सव का उद्घाटन
- चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा व सिमरिया के विधायक समेत धर्मगुरु रहेंगे मौजूद

संवाददाता

चतराः जिले के मां भद्रकाली मंदिर इटखोरी परिसर में राजकीय इटखोरी महोत्सव का आज शाम आगाज होगा। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और पेयजल मंत्री योगेन्द्र प्रसाद महोत्सव का विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन करेंगे। इसी निमित्त तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को जिले की उपायुक्त कृतिश्री और पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपायुक्त ने बताया कि महोत्सव को लेकर पूरा जिला प्रशासन और यहां के लोग उत्साहित है। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए देश के प्रख्यात कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य रूप से सूफी गायक कैलाश खेर और कल्पना पटवारी आकर्षण का केंद्र होंगे। साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से भी कलाकार आ रहे हैं। कहा कि इस बार दिनभर की कार्ययोजना बनाई गई है। लोग बक्सा डैम जलाशय और भेड़ीफार्म जलाशय में वाटरबोट एक्टिविटी,एडवेंचर और ड्रोन शो का आनंद लेंगे।

उन्होंने बताया कि आनेवाले समय में इन एक्टिविटी को स्थाई रूप स्थापित करने की भी योजना है। उपायुक्त ने बताया कि महोत्सव को सफल बनाने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। महोत्सव का उद्घाटन राज्य के वित्त मंत्री और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री के कर कमलों से होगा। वहीं चतरा के माननीय सांसद और विधायक की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। वहीं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने सुरक्षा व्यवस्था के सवाल पर बताया कि महोत्सव को शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न करवाने के लिए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। इस निमित प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की गई है। कहा कि अभी सुरक्षा के मुद्दे पर काफी दबाब है। महोत्सव के साथ साथ नगर चुनाव और छात्रों के एक्जाम भी शुरू होनेवाले हैं। फिर भी सुरक्षा में कोई भी कोताही नहीं बरती जाएगी। महोत्सव के मद्देनजर ऑपरेशन भी चलाए जाएंगे। उन्होंने आम लोगों से सहयोग की अपील की।

ड्रोन शो समेत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की होगी प्रस्तुतिः 19 फरवरी को अपराह्न 3:00 बजे मुख्य अतिथि का आगमन, दर्शन-पूजन एवं विधिवत उद्घाटन के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। उद्घाटन सत्र में सुषमा नाग एवं स्वागतम ग्रुप द्वारा कड़सा लोकनृत्य-गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। उद्घाटन उपरांत वाराणसी की तर्ज पर भव्य गंगा आरती (सायं 4:30 से 5:30 बजे तक) आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात विपिन मिश्रा एवं समूह द्वारा शंख एवं डमरू वादन, मानभूम छऊ नृत्य, बुटन देवी एवं दल द्वारा झुमर नृत्य, अनुपम गिरी एवं सुधीर कुमार पाण्डे की गायन प्रस्तुति तथा कर्नाटक का यक्षगान प्रस्तुत किया जाएगा।सायं 7:20 बजे से 7:35 बजे तक आकाश में आकर्षक ड्रोन शो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इसके बाद पाईका नृत्य, आरम्भ बैंड (हजारीबाग) तथा रोहित आर.के. ग्रुप एवं नितेश कच्छप द्वारा रात्रि 11:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

20 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक सेमिनार का आयोजन होगा। सायंकालीन सत्र में शिवानी पाण्डे, अग्निमा गुप्ता, सुप्रिया डांस ग्रुप, कुमारी दित्या, माधवी गुप्ता, दीप्ती मिश्रा व अन्य की प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही ओड़िशा का गोटीपुवा नृत्य, ओड़िसी लोकनृत्य, सिमरन शाह डांस ग्रुप द्वारा कृष्ण भक्ति नृत्य एवं कथक नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। रात्रि 9:00 बजे से 11:00 बजे तक सुप्रसिद्ध बॉलीवुड गायक कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति देंगे। 21 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे से प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा, जो महोत्सव अवधि तक जारी रहेगी। सायंकालीन कार्यक्रम में साक्षी प्रिया दुबे, गोण्ड नृत्य, सुखराम पाहन एवं दल द्वारा मुण्डारी नृत्य, मृनालनी अखौरी, तमिलनाडु का भरतनाट्यम एवं थापाट्टम, रवि त्रिपाठी (बॉलीवुड गायक), किस्सु राहुल डांस ग्रुप की प्रस्तुति होगी। रात्रि 9:15 बजे से 11:00 बजे तक सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायिका कल्पना पटवारी अपनी प्रस्तुति देंगी। इसके उपरांत रात्रि 11:00 बजे समापन समारोह होगा।

यूट्यूब और फसबुक पर होगा सीधा प्रसारणः तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव 2026 का सीधा प्रसारण अब दर्शक ऑनलाइन माध्यम से देख सकेंगे। जिला प्रशासन द्वारा महोत्सव के भव्य आयोजन के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीमिंग की भी विशेष व्यवस्था की गई है। इस महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या, पारंपरिक लोकनृत्य, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कलाकारों की प्रस्तुति, 500 ड्रोन शो अन्य आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महोत्सव का आयोजन ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर परिसर, इटखोरी में किया जा रहा है, जो हिंदू-बौद्ध-जैन धर्मों के सांस्कृतिक संगम का प्रतीक स्थल है। जिला प्रशासन ने अधिकाधिक लोगों से अपील किया है कि जो लोग कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं, वे घर बैठे लाइव प्रसारण के माध्यम से इस सांस्कृतिक महोत्सव का आनंद लें।

धूमधाम से मनाया गया झारखंड जुगआर का स्थापना दिवस

राज्य को नक्सलियों से मुक्त कराने में जगुआर की भूमिका महत्वपूर्ण: डीजीपी

शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि, उनके योगदान को किया गया याद

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड को नक्सलियों से मुक्त करने की दिशा में झारखंड जगुआर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। यह बात स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य के डीजीपी तदाशा मिश्र ने कही। कार्यक्रम का आयोजन रांची में किया गया।

स्थापना दिवस पर नई घोषणाएं: डीजीपी तदाशा मिश्र ने अपने संबोधन में झारखंड जगुआर परिसर में 9 बेड का अस्पताल बनाने और अन्य निर्माण कार्य कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जवानों की सेहत और सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा।

2008 में हुआ था गठन: आईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि झारखंड जगुआर का गठन

वर्ष 2008 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म से लड़ने के लिए एक विशेष एंटी-नक्सल फोर्स के रूप में किया गया था। गठन से लेकर आज तक इस बल ने अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया है।

शहीद जवानों को नमन: आईजी अनूप बिरथरे ने नक्सल विरोधी अभियानों में शहीद हुए 24 वीर पदाधिकारियों और जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि इन शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनके परिवारों के प्रति पूरा सम्मान है।

अब केवल चार जिले प्रभावित : आईजी ने बताया कि राज्य में वामपंथी उग्रवाद लगभग समाप्ति की ओर है। वर्तमान में केवल चार जिले प्रभावित हैं, जिनमें चाईबासा मुख्य रूप से माओवादी गतिविधियों से प्रभावित माना जाता है।

सारंडा में लगातार ऑपरेशन: फिलहाल झारखंड जगुआर की 17 टीमें सारंडा के दुर्गम जंगलों में तैनात हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी जवान लगातार अभियान चला रहे हैं और माओवादियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं ट्रेनिंग में भी देशभर में पहचानः गृह मंत्रालय ने झारखंड जगुआर को देश के सर्वश्रेष्ठ ट्रेनिंग संस्थानों में शामिल करते हुए सम्मानित किया है। गठन से अब तक कई अधिकारियों और जवानों को राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा विभिन्न सेवा और वीरता पदक प्रदान किए जा चुके हैं।

नक्सल विरोधी अभियानों के अलावा झारखंड जगुआर वीआईपी मूवमेंट और देवघर व जमशेदपुर एयरपोर्ट की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रही है। बीडीएस टीम के कार्यों की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर एनएसजी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी की है।

हरित और आधुनिक कैंपस: पिछले 15 वर्षों में राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय के सहयोग से झारखंड जगुआर का कैंपस विकसित किया गया है। यह सोलर प्लांट आधारित है, जहां पेयजल, शौचालय और हरियाली की बेहतर व्यवस्था है। हर साल हजारों पौधे लगाए जाते हैं, जिससे परिसर और भी सुंदर बनता जा रहा है।

नक्सल उन्मूलन में बड़ी उपलब्धियां

झारखंड जगुआर ने अब तक :

- 114 मुठभेड़ों में 50 से अधिक उग्रवादियों को मार गिराया
- 300 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया
- 4,500 से ज्यादा पुलिस हथियार बरामद किए
- 3,000 से अधिक आईईडी रिकवर किए
- वर्ष 2025 में अकेले झारखंड जगुआर ने 7 उग्रवादियों को ढेर किया। संयुक्त बलों के साथ अभियानों में सैकड़ों आईईडी भी बरामद हुए।

एदलहातू में मॉब लिंचिंग की कोशिश पुलिस ने तीन लोगों की बचाई जान

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के एदलहातू इलाके में मॉब लिंचिंग की एक बड़ी घटना होते-होते टल गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दो महिलाओं सहित तीन लोगों की जान बचाई जा सकी। बताया जा रहा है कि भीड़ ने तीनों को बच्चा चोरी के शक में पकड़ लिया था और उनकी पिटाई शुरू कर दी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एदलहातू क्षेत्र में कुछ स्थानीय लोगों ने तीन व्यक्तियों पर एक बच्चे को चुराने का आरोप लगाया। बताया गया कि तीनों एक रोते हुए बच्चे को ऑटो से लेकर जा रहे थे। इसी दौरान आसपास के लोगों को शक हुआ कि बच्चे की चोरी की जा रही है। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और तीनों को घेर लिया। आरोप है कि इसके बाद भीड़ ने उनकी जमकर पिटाई शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही बरियातू थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भीड़ को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया जाता, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और भीड़ से तीनों को छुड़ाया गया। फिलहाल तीनों को सुरक्षा में रखा गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि बच्चा चोरी का आरोप सही है या नहीं। पुलिस हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में बच्चा चोरी की अफवाहें फैलने से लोगों में दहशत का माहौल है। हालांकि पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और कानून को अपने हाथ में न लें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस प्रशासन ने इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मुख्यमंत्री आज जायेंगे धनबाद, विधायक चंद्रदेव महतो के भाई के श्राद्धकर्म में होंगे शामिल

संवाददाता

रांची/धनबादः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज धनबाद जायेंगे। वे सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो के भाई के श्राद्धकर्म में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय से इस संबंध में धनबाद जिला प्रशासन को आधिकारिक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसके बाद प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम, ट्रैफिक डीएसपी तथा सीओ प्रकाश कुमार ने बलियापुर हवाई पट्टी का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने हेलिपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक की सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण और वीआईपी मूवमेंट को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सचिवालय से जारी कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर बलियापुर हवाई पट्टी पर उतरेगा। इसके बाद 12 बजकर 35 मिनट पर वे सड़क मार्ग से बड़ादाहा फार्म हाउस के लिए रवाना होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे कुछ समय के लिए बड़ादाहा फार्म हाउस में रुकेंगे और शोक-संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना प्रकट करेंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर मुख्यमंत्री बलियापुर हवाई पट्टी से हेलीकॉप्टर के जरिए रांची के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है और सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वहीं, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का गुरुवार को आगमन होना है। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो के भाई डॉ बुद्धदेव महतो के श्राद्धकर्म में मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव निष्ठा तिवारी दो दिवसीय दौरे पर आज आयेंगी रांची

झारखंड में नए आपराधिक कानूनों की होगी जमीनी समीक्षा

मेंट्रो रेज

रांचीः झारखंड में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों–भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)–के प्रभावी क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत परखने के लिए केंद्र सरकार अब राज्य का दौरा करेगी। इस क्रम में भारत सरकार के गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा-II) निष्ठा तिवारी 19 और 20 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर रांची आ रही हैं।

गृह विभाग ने शुरू की तैयारीः संयुक्त सचिव के आगमन को लेकर झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आधिकारिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभागीय अधिकारियों को आवश्यक बिंदुओं पर प्रस्तुति और प्रगति रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राज्य में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करना है।

लागू कानूनों की प्रगति पर होगी चर्चा: दौरे के दौरान पुलिस विभाग, अभियोजन शाखा, न्यायिक अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ बैठक प्रस्तावित है। इन बैठकों में यह समीक्षा की जाएगी कि–

- नए कानूनों के तहत दर्ज मामलों की स्थिति क्या है
- पुलिस और जांच एजेंसियों को किस प्रकार की तकनीकी या कानूनी चुनौतियां आ रही हैं
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति और प्रभावशीलता कैसी है
- अदालतों में मामलों के निपटारे की प्रक्रिया में क्या बदलाव आया है
- प्रशिक्षण और संसाधनों की भी होगी समीक्षा

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार यह भी जानना चाहती है कि राज्य में पुलिस पदाधिकारियों, अभियोजकों और अन्य संबंधित कर्मियों को नए कानूनों के अनुरूप कितना प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, डिजिटल साक्ष्य, केस मैनेजमेंट सिस्टम और फॉरेंसिक संसाधनों की उपलब्धता पर भी चर्चा होगी।

राज्य सरकार देगी विस्तृत प्रस्तुतिः झारखंड सरकार की ओर से संयुक्त सचिव के समक्ष नए कानूनों के कार्यान्वयन से संबंधित आंकड़े, चुनौतियां और भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की जाएगी। माना जा रहा है कि इस समीक्षा के आधार पर केंद्र सरकार आगे की रणनीति तय करेगी और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर सकती है। दो दिवसीय इस दौरे को नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन की दिशा में अहम माना जा रहा है। प्रशासनिक महकमे में इसे लेकर विशेष सक्रियता देखी जा रही है।

सिल्ली अंचल कार्यालय का अमीन आठ हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांचीः भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की टीम ने गुरुवार एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सिल्ली अंचल कार्यालय के अमीन गणेश महतो को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वर्ष 2026 में रांची एसीबी का यह पांचवां ट्रैप केस है।

क्या है पूरा मामला?: सिल्ली थाना क्षेत्र के ग्राम लोवादाग निवासी 65 वर्षीय वृद्ध बासुदेव महतो ने एसीबी को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, उनकी लोवादाग स्थित पुश्तैनी जमीन (खाता सं०-13, प्लॉट सं०-676) के करीब 20 डिसमिल हिस्से की नापी के लिए उन्होंने 16 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन आवेदन दिया था। अंचल कार्यालय के अमीन गणेश महतो ने 10 फरवरी को जमीन की नापी तो कर दी, लेकिन इसके बाद नापी रिपोर्ट और नक्शा देने के एवज में रिश्वत की मांग शुरू कर दी। बासुदेव महतो रिश्वत नहीं देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने न्याय के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का दरवाजा खटखटाया।

सत्यापन में सही पाए गए आरोपः एसीबी की टीम ने शिकायत मिलने के बाद मामले का विधिवत सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान अमीन द्वारा रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए 18 फरवरी को भ्रष्टाचार निवारण (संशोधित) अधिनियम-2018 की धारा 7(`) के तहत कांड संख्या-08/26 दर्ज की गई।

योजना के अनुसार, गुरुवार को जैसे ही परिवादी ने अंचल कार्यालय, सिल्ली में अमीन गणेश महतो को रिश्वत के आठ हजार रुपये दिए, पहले से घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया।

डेटा चोरी व फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में जितेंद्र सिंह गिरफ्तार

रांचीः अरगोड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले जितेंद्र सिंह को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई है। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार गढ़वा निवासी जितेंद्र सिंह पर कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। जांच में सामने आया है कि वह पंचायत सचिवालय से डेटा चोरी करने के मामले में संलिप्त रहा है। इसके अलावा उस पर फर्जी मोबाइल एप बनाकर जाली आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाणपत्र सहित अन्य सरकारी दस्तावेज तैयार करने का आरोप है।

जांच एजेंसियों का कहना है कि आरोपी धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी जमीन कागजात बनाकर जमीन कब्जाने जैसे मामलों में पहले भी कई बार जेल जा चुका है। फिलहाल मुंबई पुलिस मामले से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

राज्य में 20 फरवरी के बाद 'मई जैसी' गर्मी 34 डिग्री तक तापमान पहुंचने का अनुमान

रांचीः राज्य में अब मौसम तेजी से बदल रहा है। दिन में तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है, तो शाम होते ही ठंड का अहसास होने लगता है। राज्य के कई जिलों में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर देखा जा रहा है, जिससे लोगों को सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। तापमान 30 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमानः झारखंड में धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगी है। खासकर दोपहर के समय कड़ी धूप निकल रही है, जिससे गर्मी महसूस हो रही है, लेकिन जैसे ही शाम होती है, मौसम अचानक ठंडा हो जाता है। कई जगहों पर तो लोगों को सुबह-शाम अब भी स्वेटर पहनना पड़ रहा है। रांची, खूंटी, लोहरदगा, पलामू और राज्य के मध्य व पश्चिमी हिस्सों में ऐसा मौसम ज्यादा देखने को मिल रहा है। उत्तर-पूर्वी झारखंड के देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो रही है। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 30 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। गोड्डा और पाकुड़ में 20 फरवरी तक तापमान 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 12 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सुबह के समय हल्का कुहासा छाए रहने की संभावना है।

जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा अब 15 मार्च को

संवाददाता

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने सिविल सेवा संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2025 की प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) की तिथि में बदलाव किया है। पहले यह परीक्षा 8 मार्च 2026 को प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे 15 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। आयोग ने संशोधित कार्यक्रम जारी करते हुए अभ्यर्थियों को नई तिथि के अनुसार अपनी तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

आयोग की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक परिवर्तन प्रशासनिक कारणों से किया गया है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से अपडेट देखते रहें। प्रारंभिक परीक्षा राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

इस संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से राज्य के विभिन्न विभागों में कुल 103 पदों पर नियुक्ति की जानी है। इनमें उपसमाहर्ता, डीएसपी, जिला समादेष्टा, प्रखंड विकास पदाधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक निदेशक, कृषि एवं सहकारिता विभाग में सहायक निबंधक, सहायक नगर आयुक्त तथा सहायक निदेशक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। युवाओं के बीच इस परीक्षा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

आवेदन प्रक्रिया पहले से जारी और अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन पूरा करना होगा। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि भी पूर्व निर्धारित समय-सीमा के अनुसार ही प्रभावी रहेगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा तिथि में बदलाव के अलावा अन्य शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

इधर, आयु सीमा में छूट को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। कई अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार से अधिकतम आयु सीमा में राहत देने की मांग की है। इस विषय पर निर्णय राज्य सरकार के स्तर पर लिया जाना है। जानकारी यह भी है कि इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में विचार संभव है, लेकिन अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि पिछली परीक्षाओं में देरी और विभिन्न कारणों से कई उम्मीदवार आयु सीमा पार कर चुके हैं। ऐसे में उन्हें एक अवसर दिया जाना चाहिए। हालांकि आयोग ने इस संबंध में स्पष्ट किया है कि जब तक सरकार की ओर से औपचारिक आदेश प्राप्त नहीं होता, तब तक वर्तमान नियम ही लागू रहेंगे।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे और नकारात्मक अंकन का प्रावधान भी रहेगा। प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में बैठने का अवसर मिलेगा। आयोग ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।

तिथि परिवर्तन के साथ ही अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए कुछ अतिरिक्त समय मिल गया है। प्रतियोगी छात्रों और कोचिंग संस्थानों ने भी संशोधित कार्यक्रम का स्वागत किया है और इसे बेहतर तैयारी का अवसर बताया है। अब सभी की निगाहें 15 मार्च को होने वाली प्रारंभिक परीक्षा पर रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) –सह–उपायुक्त का कार्यालय, खूँटी (वाहन कोषांग)

आवश्यक सूचना

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के निमित, खूँटी जिला हेतु अधिग्रहित/परिचालित सभी Force/Trax/Savari के वाहन स्वामी/वाहन चालक को निदेश दिया जाता है कि दिनांक 21.02.2026 को अपराहन 2:00 बजे तक अपना वाहन बिरसा कॉलेज, खूँटी अन्तर्गत स्थित वाहन कोषांग में अनिवार्य रुप से जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

आदेश अवहेलना की स्थिति में विधिनुसार कारवाई की जाएगी।

प्रभारी पदाधिकारी, वाहन कोषांग
–सह–जिला परिवहन पदाधिकारी,
खूँटी

PR 373240 (Election)25-26*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

साउथ ब्लॉक से सेवा तीर्थ औपनिवेशिक युग का अंत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीती 13 फरवरी को राजधानी में सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक से अब सेवा तीर्थ में शिफ्ट कर गया। दरअसल, राजधानी दिल्ली आज आधुनिकता और परंपरा के अनोखे मिश्रण का प्रतीक बन रही है। केन्द्र में साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आने के बाद राजधानी के सेंट्रल विस्टा में बड़े पैमाने पर विकास कार्य शुरू हो गए। सेंट्रल विस्टा री-डवलपमेंट प्रोजेक्ट 2019 में शुरू हुए थे और इसके साल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना के तहत संसद का नया भवन, सेवा तीर्थ (नया प्रधानमंत्री कार्यालय), कर्तव्य भवन और कई अन्य इमारतें बनी हैं। ये निर्माण न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए हैं बल्कि इनमें वास्तुशास्त्र के सिद्धांतों का भी व्यापक उपयोग किया गया है, जो भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़े हैं। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की शुरूआत इसलिए की गई क्योंकि पुरानी इमारतें बदलती हुई जरूरतों के लिहाज से अपर्याप्त हैं। पुराना संसद भवन, जो साल 1927 में बना था, अब सांसदों की बढ़ती संख्या और आधुनिक आवश्यकताओं के लिए अपर्याप्त हो गया था। इसलिए, संसद के नये भवन का निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को किया गया। यह इमारत 64,500 वर्गमीटर में फैली है और त्रिकोणीय आकार की है, जो वास्तुशास्त्र में 'अग्नि तत्व' का प्रतीक मानी जाती है। प्रख्यात वास्तु शास्त्री डॉ. जयप्रकाश शर्मा लालधागेवाले बताते हैं कि अग्नि तत्व ऊर्जा, शक्ति और सकारात्मकता का प्रतीक है, जो संसद और सेवा तीर्थ जैसे महत्वपूर्ण स्थानों के लिए उपयुक्त है। डॉ. लालधागेवाले भी इन इमारतों के निर्माण में सलाहकार की भूमिका निभा रहे हैं। वास्तु के अनुसार, त्रिकोणीय डिजाइन भवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। संसद के नये भवन में छह मुख्य द्वार हैं: गज द्वार, अश्व द्वार, गरुड़ द्वार, मकर द्वार, शार्दुल द्वार और हंस द्वार। ये सभी वास्तुशास्त्र से प्रेरित हैं और भारतीय संस्कृति के प्रतीकों को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, गज द्वार उत्तर दिशा में है, जो वास्तु में बुध ग्रह से जुड़ा है और बुद्धि का स्रोत माना जाता है। हाथी (गज) समृद्धि और खुशी का प्रतीक है। इसी तरह, पूर्व दिशा में अश्व द्वार सूर्योदय से जुड़ा है, जो विजय का प्रतीक है। गरुड़ द्वार उत्तर-पूर्व में है, जो ज्ञान और विवेक का प्रतिनिधित्व करता है। ये द्वार न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं बल्कि वास्तु के अनुसार भवन में संतुलन बनाए रखते हैं। भवन के अंदर लगभग 5,000 कलाकृतियां हैं, जो 5,000 वर्षों की भारतीय सभ्यता को दर्शाती हैं और वास्तु तथा सनातन परंपरा पर आधारित हैं। डिजाइनरों ने ब्रह्मेश्वर मंदिर से प्रेरणा ली है, जो तांत्रिक यंत्र पर आधारित है, हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तु की गहन समझ की कमी हो सकती है। सेवा तीर्थ सेंट्रल विस्टा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और साउथ ब्लॉक के पास 15 एकड़ में फैला है। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक ही जगह पर हैं। इसका नाम 'सेवा तीर्थ' इसलिए रखा गया है क्योंकि यह 'नागरिक देवो भव' की भावना को दर्शाता है, जहां सेवा को तीर्थ के समान पवित्र माना गया है। वास्तु के संदर्भ में, इसका डिजाइन प्रकृति से जुड़ी है, जिसमें ऊर्जा संरक्षण और सकारात्मक प्रवाह पर जोर है। यह इमारत आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है लेकिन वास्तु सिद्धांतों का पालन करती है, जैसे दिशाओं का संतुलन और प्राकृतिक तत्वों का समावेश। सेवा तीर्थ के अलावा कर्तव्य भवन 1 और 2 का भी उद्घाटन हो चुका। ये कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (उउर) के हिस्से हैं, जो कुल 10 इमारतों की योजना में पहले हैं। कर्तव्य भवन में गृह, विदेश, ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालय हैं। नामचीन आर्किटेक्ट उज्ज्वल उपाध्याय कहते हैं कि ये सभी इमारतें पर्यावरण अनुकूल हैं। ये 30 फीसदी ऊर्जा बचत करती हैं और सौर ऊर्जा से 5.34 लाख यूनिट बिजली पैदा करती हैं। सेंट्रल विस्टा में कई अन्य इमारतों का निर्माण चल रहा है। राजपथ को कर्तव्य पथ में बदलना भी इसी परियोजना का हिस्सा है, जो 3 किमी लंबा है और पैदल यात्री अनुकूल है। मोदी सरकार के तहत ये निर्माण न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हैं, बल्कि वास्तुशास्त्र को आधुनिक संदर्भ में अपनाते हैं। वास्तु भवनों को प्रकृति से जोड़ता है। मोदी युग में स्मार्ट सिटी और गेटेड कम्युनिटीज में वास्तु का उपयोग बढ़ा है, जो स्थिरता और जीवन गुणवत्ता को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, नई इमारतों में उत्तर-पूर्व दिशा को महत्व दिया गया है, जो ज्ञान का प्रतीक है। ये परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण पर जोर देती हैं, जैसे पानी और ऊर्जा का कुशल उपयोग, जो वास्तु के सतत विकास के सिद्धांत से मेल खाता है।

ये इमारतें भारतीय इतिहास को भी सम्मान देती हैं। पुराने नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को संग्रहालय में बदलना योजना है, जो सांस्कृतिक विरासत को बचाता है। कुल मिलाकर, 20,000 करोड़ की यह परियोजना प्रशासन को एकीकृत करती है और वास्तु के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मोदी सरकार ने 8 प्रमुख

प्लॉट्स का भूमि उपयोग बदला है, जो विकास को गति देता है।

दिल्ली में नया संसद भवन, सेवा तीर्थ और अन्य इमारतें मोदी युग की उपलब्धियां हैं, जो आधुनिकता और वास्तुशास्त्र का सुंदर संगम हैं। ये न केवल कार्यक्षमता बढ़ाती हैं बल्कि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखती हैं। भविष्य में ये इमारतें 'विकसित भारत' की नींव

बनेंगी, जहां परंपरा और प्रगति साथ चलेंगी।

बांग्लादेश सरकार में हिंदु समुदाय के सांसदों को मंत्री बनाने के निहितार्थ

ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं।

डॉ. रमेश ठाकुर

पड़ोसी देश बांग्लादेश में तारिक रहमान की अगुवाई में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है नयी सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। समूची दुनिया इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश के बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिढ़े भी हैं। यह उनके लिए असहज स्थिति पैदा करता है कि बांग्लादेश, भारत या उसके नजदीकियों को तवज्जो दे। लेकिन, देश के नये प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने ऐसे मंसूबों को धता बताते हुए बड़ी सूझबूझ से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं की बर्बरता के साथ हुई हत्या ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई बल्कि दशकों से चले आ रहे भारत के साथ उसके मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसे लेकर दोनों देशों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही रहा तो रिश्तों की दूरियां घटने वाली नहीं। इसपर गौर करते हुए रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके।

शेख हसीना की सरकार के पतन के साथ ही देश के हिंदु समुदाय को जिस तरह निशाना बनाया गया और बड़ी संख्या में भीड़ की हिंसा की घटनाएं तेजी से बढ़ीं, तारिक रहमान के सामने इन घटनाओं को तत्काल रोकने की बड़ी चुनौती है। हालांकि, इन घटनाओं को रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के फैसलों की गहन समीक्षा करेंगे। मोहम्मद यूनुस का झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छी तरह से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हरसंभव कोशिशे की। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई।

तारिक रहमान अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक स्थिर और प्रभावशाली सरकार चलाने की मंशा रखते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुर विरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए ढलती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़ कर अपने घर पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस तरह की राजनीतिक परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिकता की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनाव में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाइयां को ढाका भेजना भी खतरे में पड़े संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथग्रहण समारोह में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी संबंधों को नए सिरे से गढ़ने जैसा है। भारत के खिलाफ अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए जिस तरह चीन-पाकिस्तान ने बांग्लादेश के कंधों का इस्तेमाल कर देश को सत्यानाश के रास्ते पर धकेल दिया, उसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को है। बांग्लादेश-भारत संबंध जितने बिगड़ेंगे, दोनों देश मिलकर उतना ही फायदा उठाएंगे। चीन-पाकिस्तान की जुगलबंदी ने पूर्व की कार्यकारी सरकार को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान की शह पर बंगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया लेकिन 13वें राष्ट्रीय चुनाव में हिंदू समुदाय के तीन सांसद जीते हैं- जिनमें निताई रॉय चौधरी को स्पीकर, चटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री और गोयेश्वर रॉय चौधरी को रेलमंत्री बनाया गया है। यह तथ्य एक उम्मीद जगाते हैं।

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के साथ करीब एक-डेढ़ साल से देश के विभिन्न हिस्सों में हिन्दुओं के खिलाफ भीड़ की हिंसा का जो दौर चल रहा था, वो फिलहाल थमता दिख रहा है। देश की जनता को इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनाव में बीएनपी ने बड़े अंतर से विजय हासिल की है। कुल 298 संसदीय सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया है। कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं, जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्यमंत्री हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिवाजी ने मुगल और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया था

शिवाजी को उनकी मां जीजाबाई ने न्याय, धर्म और रामायण-महाभारत की कहानियां सुनाकर एक धर्मपरायण योद्धा के रुप में तैयार किया था। समर्थ गुरु रामदास और दादाजी कोणदेव ने भी उनके व्यक्तित्व को निखारने में हरसम्भव कोशिश की। 16 साल की आयु में उन्होंने बीजापुर सल्तनत के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाकर तोरण दुर्ग पर अधिकार जमा लिया।

कैलाश चन्द्र

छत्रपति शिवाजी महाराज एक साहसी, कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी शासक के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने मराठा पहचान दी। वे मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने मुगलों और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया। उन्होंने गोरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) नीति का उपयोग कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। माना? जाता है कि गोरिल्ला युद्ध महाराणा प्रताप की खोज थी, उन्होंने मुगल शासक अकबर के खिलाफ छापामार युद्ध अपना कर उनको घुटनों के बल ला दिया था।

शिवाजी को उनकी मां जीजाबाई ने न्याय, धर्म और रामायण-महाभारत की कहानियां सुनाकर एक धर्मपरायण योद्धा के रुप में तैयार किया था। समर्थ गुरु रामदास और दादाजी कोणदेव ने भी उनके व्यक्तित्व को निखारने में हरसम्भव कोशिश की। 16 साल की आयु में उन्होंने बीजापुर सल्तनत के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाकर तोरण दुर्ग पर अधिकार जमा लिया। सन 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को कूटनीति से मार गिराया, जो उनकी पहली बड़ी सैन्य सफलता मानी गई। उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को हुआ था। इस कारण उनकी जयंती 19 फरवरी को मनाई जाती है।

उन्होंने गुरिल्ला युद्ध, मजबूत नौसेना और कुशल प्रशासन के साथ तोरना, प्रतापगढ़ और रायगढ़ जैसे किले जीतकर एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की थी। 1674 में रायगढ़ में छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक के बाद धर्म, न्याय और प्रगतिशील शासन के प्रतीक बन गए, जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता और स्वतंत्रता की मिसाल कायम की। वे एक उत्कृष्ट प्रशासक थे। एक सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था की नींव रखीं। शिवाजी का मराठा साम्राज्य महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक फैला हुआ था। प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए, शिवाजी ने जागीर प्रथा को समाप्त कर दिया और अपने अधिकारियों को नकद वेतन देना प्रारंभ किया। जागीरदारी व्यवस्था समाप्त करने के बावजूद उन्होंने विद्यालयों और मंदिरों के लिए भूमि अनुदान देना प्रारंभ किया। उनका प्रशासन एक केंद्रीकृत, सुव्यवस्थित और जनकल्याणकारी माना जाता है, जिसका मुख्य केंद्र ह्यअष्टप्रधानह्ण (आठ मंत्री) नामक मंत्रिपरिषद थी। उनके शासन की मुख्य विशेषताओं में मलिक अंबर पर आधारित भू-राजस्व प्रणाली (33-40 प्रतिशत कर), चौथ (1/4 रक्षा कर) और सरदेशमुखी (1/10 कर) वसूली, अनुशासित स्थायी सेना, किलों का विशेष महत्व, नागरिक अधिकारियों की सर्वोच्चता और धार्मिक सहिष्णुता का गुण शामिल था।

शिवाजी का शासन केन्द्रीयकृत शासन था। उनके पास ही सारी शक्तियाँ निहित थी। उन पर किसी प्रकार का प्रतिबंध अथवा नियंत्रण नहीं था। उनके आदेशों का पालन सभी को करना पड़ता था। उनके पास पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं पदच्युति करने का पूर्ण अधिकार था। व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो पता चलता है कि अपनी समकालीन तानाशाहों से बिल्कुल भिन्न थे। उन्होंने कभी भी अपने स्वार्थ के लिए आम जनता की उपेक्षा नहीं की और न जनता के अधिकारों का हनन किया। कभी भी सत्ता का दुरूपयोग नहीं किया। हरसंभव तरीके से जनता की उत्थान की चेष्टा की। प्रजा के लिए कत्याण किया और प्रजाहित, प्रजा सुरक्षा, न्याय, नैतिकता और धर्म के लिए उदार भावना थी। प्रशासनिक कार्यों में सलाह के लिए आठ मंत्रियों की एक परिषद का गठन किया, जिसमें पेशवा (प्रधानमंत्री) सर्वोच्च माना जाता था। अन्य मंत्री अमात्य, वकनीस, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव और न्यायाधीश थे।

आमात्यः- शिवाजी के अष्टप्रधान में दूसरा मंत्री आमात्य कहलाता था। आमात्य अर्थ विभाग का प्रधान होता था इसे मजूमदार भी कहा जाता था इसका कार्य राज्य के आय-व्यय का ब्योरा और विभिन्न प्रांतों के हिसाब-किताब की जांच पड़ताल करना था।

पैदल सेनाः- पैदल सैनिकों में नवपायिकों की सबसे छोटी इकाई होती थी इसका मुख्य नायक कहलाता था। इसका वेतन साधारण होता था पांच नायकों पर एक हवलदार होता था। दो या तीन हवलदार पर एक जुमलदार होता था।

जल सेनाः- शिवाजी ने अपने राज्य की रक्षा एवं जंजीरा के विरुद्ध युद्ध करने के लिए एक जल सेना का भी गठन किया था। शिवाजी के पास 400 जहाज थे, इनमें पांच प्रकार के युद्धपोत और कुछ बड़ी-बड़ी नावें भी थीं।

अंगरक्षक की सेनाः उनके पास दो हजार चुने हुए अंगरक्षक थे, जो बड़े साहसी एवं वीर होते थे। अंगरक्षक की सेना पर पूरा व्यय राज्य वहन करता था।

भू-राजस्व और कृषक कल्याणः-भूमि की पैमाइश (माप) के लिए ह्यकाठीह्ण का उपयोग किया जाता था। उपज का 33 प्रतिशत (बाद में 40 प्रतिशत) कर लिया जाता था। अकाल के समय किसानों को बीज और पशु खरीदने के लिए ह्यतकावीह्ण (ऋण) देने की व्यवस्था कर रखी थी।

सैन्य व्यवस्थाः- उन्होंने एक मजबूत, अनुशासित और स्थायी सेना बनाई। सैनिकों को जागीर के बदले नकद वेतन देना प्रारंभ किया। सेना में ह्यपागाह्ण (नियमित) और ह्यसिलहदारह्ण (अस्थायी) दो प्रकार के घुड़सवार थे। शिवाजी ने किलों को सामरिक महत्व का केंद्र मानते हुए प्रत्येक किले में हवलदार, सबनीस और कारखानिस नामक तीन समान रैंक के अधिकारी बनाए, ताकि एक व्यक्ति निरंकुश नहीं हो सकें। प्रशासन का केंद्र बिंदु स्वयं शिवाजी थे। वे सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु भी थे और उनकी सेना व प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों आसीन थे। न्याय व्यवस्था सरल थी, जिसमें ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों का निपटारा करती थीं और उच्च स्तर पर न्यायधीश व पंडितराव न्याय करते थे।

सैनिक अनुशासनः - शिवाजी के शासनकाल में मराठा सैनिक को एकत्रित करते हुए राष्ट्रीय सेना की स्थापना की थी, सैनिक राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे। वे अपने देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। बहरहाल, हम यही कह सकते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज दूरदर्शी थे। शक्तिशाली होने के साथ उन्होंने जनकल्याण के कार्य किए। उनका विचार अंतिम व्यक्ति के कल्याण पर टिका था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

यहां दर्शन करने से रिश्ता होता है और भी मजबूत

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनका इतिहास काफी सदियों पुराना है। इन मंदिरों को चमत्कारी भी माना जाता है। अक्सर कपल्स किसी ऐसे मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए जाते हैं। जिससे उनके ऊपर भगवान का आशीर्वाद बना रहे। कई कपल्स इन मंदिरों में शादी की मन्नत लेकर भी दर्शन के लिए आते हैं। माना जाता है कि अगर कपल्स यहां पर दर्शन के लिए आते हैं, तो उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए कपल्स अपने रिश्ते को शादी में बदलने के लिए इन मंदिरों में आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश के कुछ ऐसे मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने रिश्ते

को मजबूत करने के लिए जा सकते हैं।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर

त्रिनेत्र गणेश मंदिर कपल्स के लिए बेहद खास है। यहां लोग शादी से पहले यहां पर आप भगवान के दर्शन के लिए आते हैं। यहां पर हिंदू देवता की मूर्ति उनके परिवार के सदस्यों के साथ रखी गई। माना जाता है कि यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जहां पर आपको ऐसा देखने को मिलेगा। हर साल इस मंदिर में कपल्स अपनी शादी का पहला निमंत्रण भेजते हैं। जो भी कपल्स शादी की इच्छा रखते हैं, वह भी यहां दर्शन करने और मन्नत मांगने के लिए आते हैं। बता दें कि बॉलीवुड कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल भी शादी से पहले मंदिर में साथ दर्शन के लिए गए थे। माना जाता है कि अन्य कपल्स की तरह उन्होंने अपनी शादी का पहला निमंत्रण भगवान को भेजा था।

प्रेम मंदिर

वृदांवन का प्रेम मंदिर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी को समर्पित है। यह मंदिर कपल्स के लिए खास है। यह मंदिर पूरी तरह से श्रीराधा और कृष्ण के दिव्य प्रेम के बारे में है। माना जाता है कि जो भी कपल्स यहां एक साथ दर्शन के लिए आते हैं, भगवान उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। अगर आप अपने रिश्ते में अधिक मजबूती चाहते हैं, तो यहां पर दर्शन के लिए आ सकते हैं। यह वृंदावन के फेमस मंदिरों में से एक है।

गुरुवायुर मंदिर

गुरुवायुर मंदिर पसंदीदा विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। ऐसे में अगर आपके फैमिली वाले पार्टनर के साथ शादी के लिए नहीं मान रहे हैं। तो आप यहां पर मन्नत मांगने के लिए आ सकते हैं।

टिप्स

घुटनों के दर्द को न करें नजरअंदाज,

आज के समय में घुटनों और जोड़ों के दर्द की समस्या आम होती जा रही है। पहले यह समस्या बुजुर्गों में देखी जाती थी। लेकिन आजकल जिस तरह की लोगों की लाइफस्टाइल हो गई है। युवाओं में भी जोड़ों की समस्याएं काफी बढ़ गई हैं। अधिक वेट, ऑफिस में लंबे समय तक बैठकर काम करना, फिजिकल एक्टिविटी में कमी की कारण बड़ी संख्या में लोग दर्द से परेशान हैं। घुटना हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण जोड़ होता है। जोकि उठने-बैठने, चलने, रोजमर्रा के कामों और सीढ़ियां चढ़ने जैसे कामों में मदद करता है।

यही वजह है कि घुटनों में होने वाली किसी भी समस्या का असर आपके पूरे शरीर पर पड़ सकता है। समय रहते इसके कारणों को समझना और सही इलाज बेहद जरूरी होता है। यदि इसको नजरअंदाज किया जाता है, तो सर्जरी तक की नौबत आ सकती है। जोड़ों और घुटनों के दर्द की सबसे बड़ी वजह ऑस्टियोआर्थराइटिस है। इसमें समय के साथ जोड़ों की कार्टिलेज घिसने लगती है। इसलिए इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए कम उम्र से ही सतर्क हो जाना चाहिए।

पूरे शरीर पर होता है असर

घुटनों का दर्द आपके पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। दर्द की वजह से चलना-फिरना कम हो जाता है, जिस कारण मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। फिजिकल एक्टिविटी कम होने से वेट बढ़ता है और शुगर, हृदय और ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं घुटनों में होने वाला दर्द गंभीर नहीं होता, लेकिन ऑस्टियो आर्थराइटिस, चोट और जोड़ों में तनाव आदि का यदि समय रहते इलाज नहीं किया जाता है, तो यह गंभीर रूप ले सकता है।

व्यायाम है जरूरी

नियमित रूप से व्यायाम की आदत घुटनों की समस्या को कम करने में कारगर साबित हो सकती है। क्वाड्रिसेप्स, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग व्यायाम और हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों को केंद्रित करती है। जिससे दर्द को कम करने में मदद मिलती है। बॉडी के सक्रिय रहने से वेट को कंट्रोल करने और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में सहायता मिलती है। इससे आप अपने घुटनों को स्वस्थ रख सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड प्रत्याशी अन्नु गुप्ता ने वार्ड नंबर 17 चलाया में जनसंपर्क अभियान

साहिबगंज : साहिबगंज नगर निकाय चुनाव कि तारीखे जैसे जैसे नजदीक आते जा रहा है वैसे वैसे प्रत्याशी कि दिल कि धडकने तेज होते जा रहा है। वही वार्ड नंबर 17 के प्रत्याशी अन्नु गुप्ता वार्ड के विभिन्न मुहल्लों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगो से आशीर्वाद मांगा और कहा कि हर वार्ड में वार्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। वार्ड कमेटी को सशक्त किया जाएगा। वार्ड कमेटी का योजनाओं के चयन में सीधी भागीदारी होगी।उन्होंने कहा कि आपका आशीर्वाद मिला तो जनता की समस्या के निदान के लिए हर महीने हर वार्ड में जनता दरबार लगाया जाएगा।मौके पर सरिता पोद्दार,राकेश साह,टुन्नी ठाकुर,दिशा चटर्जी,सीमा मिश्रा,स्वीटी देवी,शालिनी मिश्रा सहित दर्जनों समर्थक मौजूद थे।

बच्ची का अपहरण करने वाला युवक सौरभ कुमार पासवान गिरफ्तार

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक पीड़ित परिवार ने अपनी 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची के अपहरण हो जाने की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिक बच्ची के अपहरण करने वाला युवक सौरभ कुमार पासवान को गिरफ्तार किया है। साथ ही पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी अनीश पांडेय ने बताया कि नाबालिग बच्ची के अपहरण मामले में शिकायत के बाद तुरंत सकुशल बरामद कर लिया गया था। युवक फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार किया

किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में पहल

साहिबगंज : जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने रेलवे माल गोदाम का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम परिसर का बारीकी से अवलोकन किया और उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।जिला कृषि पदाधिकारी ने रेलवे गोदाम का निरीक्षण कर अवलोकन किया कि यहां उर्वरक की रैक लगाने की संभावनाएं कैसी है और व्यवस्था की जानकारी ली।जबकि उर्वरक भंडारण के लिए क्या तैयारी आवश्यक है इसके साथी उन्होंने उर्वरक रखने वाले वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली।उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में जिले के किसानों को प्राप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि खेती में किसानों को किसी प्रकार की परेशानियों का समानार्थी करना पड़े।कृषि विभाग की इस पहल से जिले के किसानों को उम्मीद जगी है कि समय पर उर्वरक के आपूर्ति सुनिश्चित होगी और कृषि कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

संकीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान युवाओं में अच्छे संस्कार भरने का कार्य करते हैं : बजरंगी

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राधानगर पंचायत के साहिबनगर में बालक कमिटी द्वारा आयोजित 24 प्रहर व्यापी लीला संकीर्तन' बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर समूचा क्षेत्र 'हरे कृष्ण-हरे राम' के महामंत्र से गुंजायमान रहा। इस धार्मिक अनुष्ठान में मंगलवार को रासलीला का प्रकटीकरण के दौरान क्षेत्र के सुप्रसिद्ध समाजसेवी और भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर आयोजन समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों ने पुष्पमाला पहनाकर अंगवस्त्र प्रदान कर उनका भव्य स्वागत किया।उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि संकीर्तन और धार्मिक आयोजन केवल पूजा-पाठ का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये समाज को जोड़ने और युवाओं में अच्छे संस्कार भरने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा ऐसे आयोजनों से मन को शांति मिलती है और समाज में आपसी भाईचारा व सकारात्मकता का संचार होता है। मौके पर राजमहल के युवा नेता पंकज घोष, श्रीधर पंचायत के मुखिया तमाल मंडल, चेतन शर्मा, विश्वजीत मंडल, संदीप घोष सहित अन्य अतिथि स्वरूप सम्मिलित रहे। वहीं आयोजन समिति के विश्वजीत मंडल, सचिव रतन कुमार मंडल, अध्यक्ष सदानंद कर्मकार और कोषाध्यक्ष सुजन घोष एवं अन्य सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य व्यक्ति सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। शांतिपूर्ण ढंग से कार्यक्रम संपन्न कराने में स्थानीय युवाओं की भूमिका सराहनीय रही।

नियमित प्रश्नोत्तरी के साथ में प्रशिक्षण समाप्त

मेदिनीनगर : पलामू जिला स्वास्थ्य विभाग ने जिले के मेडिकल ऑफिसर का नियमित टीकाकरण से संबंधित दूसरे बैच का बुधवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण सत्र के अंतिम डेटा रिकॉर्डिंग के डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं रिपोर्टिंग को वीसीसीएम ने संबोधित किया। प्रशिक्षण अतर्गत प्रश्नोत्तरी और गृह संदेश देने के कार्य को एमएमओ डब्लूएचओ ने पूर्ण किया। इसके साथ ही 3 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का समापन किया गया। प्रशिक्षण के तहत मंगलवार को एसएमओ, डब्लूएचओ ने सुपरविजन, मॉनिटरिंग, वैक्सीन डिमांड को बढ़ाना सहित अन्य तथ्यों को डॉ निखिल निशांत ने बताया।

सतर्क नागरिक, सुरक्षित रेल मालदा मंडल ने चलाया रेल सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान

संवाददाता

साहिबगंज : प्रतिदिन लाखों यात्री अपने सपनों जिम्मेदारियों और उम्मीदों के साथ रेल यात्रा करते हैं। कोई अपने घर लौट रहा होता है। कोई रोजगार के लिए शहर की ओर अग्रसर होता है।तो कोई शिक्षा, उपचार अथवा जीवन के नए अवसरों की तलाश में सफर करता है। *रेल केवल पटरियों पर दौड़ती एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि हमारे परिवारों पड़ोसियों, मित्रों और समाज को जोड़ने वाली जीवनरेखा है।

हर डिब्बे में बैठा यात्री किसी का बेटा, बेटी, माता, पिता या मित्र होता है। स्टेशन की भीड़ में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी घर की आशा और प्रतीक्षा का केंद्र होता है। ऐसे में उसकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना केवल रेलवे प्रशासन का ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक सजग नागरिक का भी सामूहिक दायित्व है। सुरक्षा, अनुशासन और जागरूकता ही रेल यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाते हैं; एक क्षण की असावधानी जहाँ गंभीर परिणाम ला सकती है, वहीं नियमों का पालन और सतर्क व्यवहार हजारों जीवनों की रक्षा सुनिश्चित करता है।इसी उद्देश्य से, मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री असीम कुमार कुल्लू के सतत पर्यवेक्षण में पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रेल सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया।मंडल के विभिन्न स्टेशनों, ट्रैक से सटे गांवों, विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों एवं बाजार क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को सुरक्षित यात्रा हेतु सावधानियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से नुक्कड़ सभाएं, माइक्रोफोन उद्घोषणाएं, पंपलेट वितरण तथा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विद्यालय प्रशासन का सक्रिय सहयोग भी प्राप्त हुआ।अभियान के दौरान यात्रियों, छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों को रेलवे ट्रैक पार करने के जोखिम, अनधिकृत रूप से पटरियों पर चलने के खतरे तथा चलती ट्रेन के समीप जाने से होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं ह्यूमन रन ओवर के बारे में जागरूक किया गया। यह भी बताया गया कि ट्रैक के किनारे मवेशियों को चराना अथवा उन्हें खुले रूप से छोड़ देना ह्लकैटल रन ओवरह्व जैसी घटनाओं को जन्म देता है, जिससे न केवल पशुहानि होती है बल्कि रेल संचालन बाधित होता है और यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। साथ ही चलती ट्रेन के समीप सेल्फी लेने के खतरे फुटबोर्ड पर यात्रा की असुरक्षा, अलार्म चेन पुलिंग की दंडनीयता, पत्थरबाजी की गंभीरता, सिग्नल उपकरणों से छेड़छाड़ के दुष्परिणाम, रेलवे संपत्ति की सुरक्षा तथा यात्रा के दौरान सामान की चोरी, नशाखुरानी या अन्य प्रकार के अपराध से बचाव हेतु सावधानियों के महत्व के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया गया।यह स्पष्ट किया गया कि रेलवे ट्रैक सड़क नहीं है तथा एक क्षण की लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। रेलवे अधिनियम के अंतर्गत ट्रैक पर अतिक्रमण, अलार्म चेन पुलिंग, पत्थरबाजी अथवा रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचाना दंडनीय अपराध है। विशेष रूप से युवाओं एवं छात्रों को संबोधित करते हुए यह संदेश दिया गया कि चलती ट्रेन के समीप स्टंट करना या सेल्फी लेना साहस नहीं, बल्कि असावधानी है। सुरक्षित व्यवहार ही जिम्मेदार नागरिक होने का वास्तविक परिचायक है।मानव तस्करी की रोकथाम के संबंध में भी नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा अकेले एवं भयभीत अवस्था में दिखाई देने वाले बच्चे या महिला की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को दे।अभियान की अवधि में मालदा मंडल द्वारा प्रमुख उपलब्धियाँ 01 अप्रैल 2025 झ 31 जनवरी 2026,आयोजित कुल जागरूकता कार्यक्रम 432 जागरूक किए गए नागरिक/यात्री लगभग 10,000,कवर किए गए विद्यालय/संस्थानः 12 ट्रैक किनारे गांव/क्षेत्र 80अलार्म चेन पुलिंग के विरुद्ध कार्रवाईः 1269 व्यक्ति,अन्य रेलवे अधिनियम उल्लंघन के मामलेः 10110 व्यक्ति गिरफ्ता कुल वसूला गया जुमार्नाः ₹ 20,96,500/एक पल की लापरवाही जीवन भर का पश्चाताप बन सकती है। अतः रेलवे ट्रैक से सुरक्षित दूरी बनाए रखना, केवल निर्धारित एवं अधिकृत स्थानों से ही आवागमन करना तथा सभी नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मालदा मंडल द्वारा यह अभियान एक निरंतर प्रक्रिया के रूप में आगे भी जारी रखा जाएगा, ताकि रेल सुरक्षा के प्रति जागरूकता को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जा सके। मंडल ने यात्रियों एवं आमजन से अपील की है कि वे रेल परिसर में नियमों का पालन करें।अधिकृत मार्गों का ही उपयोग करें तथा सुरक्षा मानकों के प्रति सदैव सजग एवं उत्तरदायी बने रहें।

प्रत्येक दिन हो रही है हजारों लीटर पानी की बबार्दी जिम्मेवार कौन

संवाददाता

साहिबगंज : इन दोनों जिला प्रशासन के द्वारा पेयजल योजना को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक पर बैठक करते आ रहे हैं। फिर भी आम जनता का हाल ठीक नहीं है।वही नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत जिरवाबाडी थाना क्षेत्र पेट्रोल पंप स्थित पीएचईडी के द्वारा पानी का पाइप बिछाया गया था। जो पानी की पाइप से पानी बह रहा है।जबकि पंचमुखी बजरंगबली स्थान जाने में आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि पीएचडी के द्वारा घर-घर पानी पहुंचाने वाली योजनाओं के तहत पाइप लगाया गया था पाइप के फट जाने से प्रत्येक दिन हजारों लीटर पानी की बबार्दी देखी जा सकती है नाही इस ओर किसी पदाधिकारी का नजर नहीं जा रहा है। आम जनता धनंजय पासवान,विक्की कुमार,रोशन कुमार सहित अन्य स्थानीय लोगों ने बताया कि इसकी जानकारी कई बार पीएचडी विभाग को मौखिक रूप से बोला गया है की जैसे ही पानी खुलता है वैसे ही पाइप की पॉइंट से पानी रिण्णा शुरू हो जाता है। जिससे पूजा पाठ करने वाले और स्थानीय लोग को आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा करोड़ों की योजनाओं के लागत से यह व्यवस्था किया गया है फिर भी व्यवस्था के नाम पर खाना पूर्ति करके छोड़ दिया गया है आखिर क्यों विभाग की उदासीनता के कारण पानी की बबार्दी भरपूर मात्रा में हो रहा है इसका जमीवार कौन है। जो ठेकेदार के द्वारा यह कार्य किया गया है। उसे ठेकेदार पर कार्रवाई होना जरूरी है क्योंकि यह एक जगह की बात नहीं है शहर के कई जगह में पानी के पाइप पॉइंट से ही पानी रिष्ता नजर आता है। क्या इसी तरह पानी की बबार्दी होती रहेगी क्या या ठीक होगा कि नहीं यह बात भी सोचने वाली है।

नगर पालिका आम चुनाव को लेकर मतगणना प्रक्रिया का डेमोंस्ट्रेशन

संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी न0प0-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने आज समाहरणालय परिसर में नगर पालिका चुनाव 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर मतगणना काउंटिंग प्रक्रिया का विस्तृत डेमोंस्ट्रेशन कराया। डेमोंस्ट्रेशन का उद्देश्य मतगणना कार्य में संलग्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित प्रक्रिया, पारदर्शिता व सतर्कता के मानकों से अवगत कराना था। जबकि मतपत्रों की गणना, अमान्य मतों की पहचान, परिणाम संधारण, प्रपत्रों के संधारण तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन संबंधी बिंदुओं पर चरणबद्ध जानकारी दी गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया की मतगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विधि सम्मत तरीके से संपन्न कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मौके पर अपर समाहर्ता-सह-निवार्ची पदाधिकारी साहिबगंज गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने मतगणना प्रक्रिया को गंभीरता एवं सजगता के साथ संपन्न कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

फरार आरोपी को शीघ्र न्याय के दायरे में लाया जाएगा : शशि सिंह

साहिबगंज : बेते 15 दिन बाद भी फरार आरोपी की तलाश तेज पुलिस का छापामारी अभियान जारी है जबकि जिरवाबाडी थाना कांड संख्या 16/26 में दर्ज मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। लगभग 15 दिन पूर्व थाना में मामला दर्ज किए जाने के बाद से ही नामजद आरोपी फरार चल रहा है। घटना के बाद से पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापामारी कर रही है। लेकिन अब तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। थाना सूत्रों के अनुसार, कांड दर्ज होने के तुरंत बाद ही आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य और स्थानीय स्तर पर जुटाई जा रही सूचनाओं के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है।इस संबंध में थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर सघन छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वरीय अधिकारियों के निर्देशन में पूरे मामले की पारदर्शी और बारीकी से जांच जारी है। पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि कानून से बच पाना संभव नहीं है और फरार आरोपी को शीघ्र न्याय के दायरे में लाया जाएगा। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, वहीं पुलिस की सक्रियता लगातार बनी हुई है।

साइबर ठगी मामले में पुलिस का अनुसंधान तेज, लोगों से सतर्क रहने की अपील

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के झिंरीग दूंगा पहाड़ निवासी प्रेमलाल पहाड़िया से हुई साइबर ठगी मामले में पुलिस ने अनुसंधान तेज कर दिया है. पीड़ित द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर नगर थाना साहिबगंज में प्राथमिकी दर्ज की गई है और तकनीकी जांच के माध्यम से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है.मामले में पुलिस विभिन्न पहलुओं पर छानबीन कर रही है. बताया जा रहा है कि साइबर ठगों ने किसी बहाने से पीड़ित को अपने झांसे में लेकर ठगी की घटना को अंजाम दिया।इस संबंध में थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने कहा कि साइबर ठग काफी तेज गति से लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और किसी भी प्रकार का लालच या दबाव में आकर अपनी गोपनीय जानकारी साझा न करें।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है।

किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना व असत्य नहीं बोलना चाहिए : नाथ मंडल

संवाददाता

साहिबगंज : जिला के सदर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम नाड़ीदियारा पोस्ट गंगा प्रसाद मुफस्सिल थाना साहिबगंज जिला साहिबगंज झारखंड में पटना से पधारे भंते धम्म बोधी के द्वारा दिवंगत परीनिर्माण को प्राप्त,प्रिंस कुमार,पिता विनोद कुमार बौद्ध उर्फ खुशी लाल मंडल का शोक श्रद्धांजलि सभा आयोजन किया गया।इस अवसर पर दिवंगत प्रिंस का संपूर्ण श्राद्ध कार्यक्रम बौद्ध रीति रिवाज के अनुसार कराया गया।महापुरुषों के तस्वीर एवं परीनिर्माण प्राप्त के तस्वीर के समक्ष, घी दीपक नहीं जला प्रकृति प्रदत वस्तुओं अकारण आम के टहनी केले के पौधे इत्यादि का उपयोग नहीं किया गया।गंध पूजन मन निर्मल और पवित्र, धम्मदीप,खास सामग्री पूजन पुष्प पूजा त्रिशरण एवं पंचशील दीक्षित कार्यक्रम जिसमें बुद्धि श्रम एवं संघ और चोरी नहीं

करना मन कर्म से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना असत्य नहीं बोलना कच्चा पक्का नशा का प्रयोग नहीं करना।अष्ट मंगल जीवन गाथा अर्थात जीवन में आने वाली चुनौतियों से कैसे निपट।22 प्रतिज्ञा का वचन जो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा 14 अक्टूबर 2056 को लिया गया को वाचन कर सुनाया गया।आपको बताते चले की बौद्ध परंपरा और रीति रिवाज के अनुसार यह होने वाला शोकसभा श्रद्धांजलि कार्यक्रम प्रथम बार इस ग्राम में संपन्न हो रही है।इस मौके पर पटना से पधारे भंते धम्म बोधी के अतिरिक्त जय नारायण बौद्ध सह ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम झारखंड प्रदेश संयोजक, पशुपति नाथ मंडल,मोहम्मद गौहर अली,विनोद कुमार बौद्ध,माखनलाल यादव,गोपाल दास,जितेंदर रविदास, चौधरी मंडल,इंद्रजीत रजक,मोनू कुमार दास,मदन कुमार मंडल,पप्पू कुमार रविदास,अनिरुद्ध मंडल,संगीता देवी, नीलम कुमारी,रितेश कुमार छात्र नायक साहिबगंज समेत सैकड़ो लोग थे।

सच के नए पहलू दिखाएगा 'द केरल स्टोरी 2', ट्रेलर रिलीज

निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह और उनके बैनर सनशाइन पिक्चर्स के समर्थन से बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2झगोज बियॉन्ड' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म चर्चित फिल्म 'द केरल स्टोरी' का सीक्वल है और पहले भाग से अधिक व्यापक और गहन कहानी का दावा करती है।

ट्रेलर की शुरूआत एक चेतावनी भरे संवाद से होती है, जिसके बाद कहानी राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में घटित घटनाओं की ओर बढ़ती है। इसमें अलग-अलग परिवारों और युवतियों की व्यक्तिगत त्रासदियों को दर्शार्या गया है, जहां कथित तौर पर धोखे, जबरन धर्म परिवर्तन और रिश्तों में विश्वासघात जैसे मुद्दों को उठाया गया है। एक हिस्से में राजस्थान का परिवार अपनी नाबालिग बेटी के मामले में पुलिस स्टेशन पहुंचता है, वहीं मध्य प्रदेश में एक युवती के साथ धोखे से शादी और दबाव की कहानी दिखाई गई है। फिल्म का तीसरा आयाम केरल में स्थापित है, जहां एक अंतरधार्मिक रिश्ते के बहाने पहचान, आस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के टकराव को दिखाया गया है। निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह ने कहानी को तीन युवतियों, उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा के नजरिए से प्रस्तुत किया है, जिनकी जिंदगी रिश्तों के चलते अप्रत्याशित मोड़ लेती है।

हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'द वार्डरोब' का पोस्टर आया सामने

24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

अभिनेता रजनीश दुग्गल एक बार फिर डर के साए में दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। सुपरनैचुरल फिल्म '1920' से पहचान बनाने वाले रजनीश इससे पहले 'सांसें' और 'फिर' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। अब उनकी नई हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'द वार्डरोब' चर्चा में है, जिसका पोस्टर और रिलीज तारीख जारी कर दी गई है। फिल्म का निर्देशन सौरभ चौबे ने किया है, जबकि निर्माण ज्योति राज गावली के बैनर तले हुआ है। जारी पोस्टर में एक दरवाजे के पीछे छिपी डरावनी शक्ल वाली लड़की की झलक दिखाई गई है, जो फिल्म के रहस्य और भय का संकेत देती है। पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता और रोमांच बढ़ा दिया है। निमार्ताओं का दावा है कि फिल्म में अलौकिक घटनाओं और मनोवैज्ञानिक डर का संयोजन देखने को मिलेगा।

फिल्म में रजनीश के साथ अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जो बिग बॉस ओटीटी की पहली विजेता रह चुकी हैं। 'द वार्डरोब' 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अलौकिक हॉरर-थ्रिलर शैली की यह फिल्म दर्शकों को रोमांच और डर का नया अनुभव देने का दावा कर रही है।

गोविंदा के साथ अपने तनाव पर बोलीं सुनीता आहूजा

अभिनेता गोविंदा के साथ रिश्तों में आई खटास की खबरों के बीच उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने एक बार फिर खुलकर अपनी बात रखी है। अपने यूट्यूब चैनल पर सुनीता ने भावुक होते हुए कहा कि गोविंदा उनके बचपन का प्यार हैं, लेकिन मौजूदा हालात को सुधारने के लिए कुछ बदलाव जरूरी हैं। सुनीता ने कहा, आप कभी नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा। अगर वह सुधर जाएं और हमारे हिसाब से रहें तो मैं उन्हें माफ कर दूंगी। मुझे वो सब नहीं सुनना है जो आजकल खबरों में चल रहा है। उन्होंने अपनी सेहत का जिक्र करते हुए बताया कि इस उम्र में विवाद और तनाव झेलना आसान नहीं है। सुनीता ने कहा कि वह मेनोपॉज के दौर से गुजर रही हैं और ऐसे समय में हर महिला को पति और परिवार के सहयोग की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि हमें प्यार चाहिए, तनाव नहीं। अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता अहूजा के रिश्ते में पिछले कई महीनों से तनाव की खबरें लगातार सुर्खियों में रही हैं। सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर धोखा देने के आरोप लगाए थे। सुनीता और गोविंदा की शादी को 37 साल हो चुके हैं। दोनों ने 1987 में विवाह किया था। उनके दो बच्चे हैं, बेटी टीना आहूजा और बेटा यशवर्धन आहूजा। लंबे साथ के बावजूद मौजूदा हालात ने उनके रिश्ते को नाजुक मोड़ पर ला खड़ा किया है।

बदली सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' की कामयाबी का जश्न मना रहे हैं। 23 जनवरी को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म ने दुनियाभर में 440 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। इसी बीच सनी ने अपनी अगली परियोजना को लेकर भी उत्सुकता बढ़ा दी है। उन्होंने अपने 68वें जन्मदिन के मौके पर नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा की थी, जिसका निर्देशन शशांक उदापुरकर कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'गबरू' का निर्माण विशाल राणा और ओम छंगानी कर रहे हैं। पहले इस फिल्म को 13 मार्च 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट 8 मई 2026 तय की गई है। निमार्ता इसे बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि 'गबरू' एक इमोशनल ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें सनी देओल एक सशक्त और प्रभावशाली किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनका अंदाज पावर और जोश से भरपूर होगा, जो उनके प्रशंसकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। हालांकि, कहानी और अन्य कलाकारों से जुड़ी जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है।

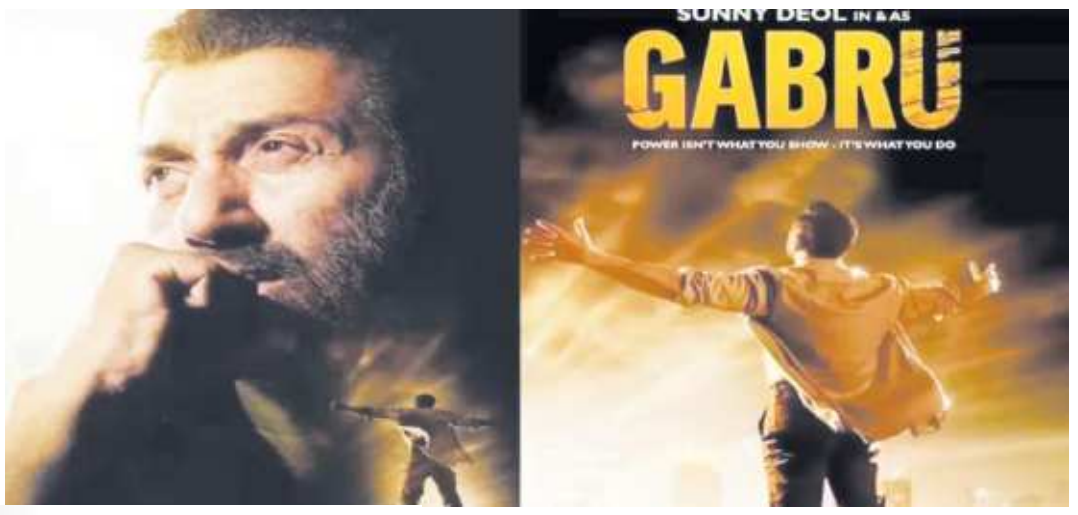

ससुर को याद कर भावुक हुईं कियारा आडवाणी, भावुक संदेश शेयर किया

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के पिता सुनील मल्होत्रा के निधन के बाद परिवार शोक में डूबा है। सिद्धार्थ ने 17 फरवरी को सोशल मीडिया पर पिता के साथ बिताए पलों को याद करते हुए भावुक संदेश शेयर किया था। अब उनकी पत्नी और अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी अपने ससुर को श्रद्धांजलि दी है। कियारा की पोस्ट पर करण जौहर, महीप कपूर, नेहा धूपिया और मनीष मल्होत्रा समेत कई सितारों ने शोक संदेश शेयर किए। कियारा ने अपनी शादी की एक पारिवारिक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि शुरूआत से ही उनके ससुर ने उन्हें खुले दिल, गहरी समझदारी और बिना शर्त प्रेम के साथ अपनाया। उन्होंने लिखा, ₹आपकी गर्मजोशी हमेशा बनी रही। परिवार के प्रति आपका प्रेम आपके हर काम के केंद्र में था। आपकी कहानियां, आपकी हंसी और आपका शांत स्वभाव हमेशा मेरे साथ रहेंगे। आप अपने पीछे कोमलता, ईमानदारी और गहरे अटूट प्यार की विरासत छोड़ गए हैं। यह आपके बच्चों, पोते-पोतियों और हम सभी में जीवित है जिन्हें आपको जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शांति से विश्राम करें। आपको हमेशा याद किया जाएगा, हमेशा प्यार किया जाएगा और हमेशा याद रखा जाएगा। सुनील मल्होत्रा मर्चेंट नेवी में कैप्टन थे और 13 फरवरी को दिल्ली में उनका निधन हो गया था। फिल्म जगत से जुड़े कई कलाकारों ने मल्होत्रा परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए इस कठिन घड़ी में उनका साथ दिया।

इंटरव्यू : लहजे से नहीं, लगन से बनती है पहचान : मृणाल ठाकुर

रोशनी से भरे इस दौर में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिर्फ पर्दे पर नहीं, दिलों में बस जाते हैं। मृणाल ठाकुर उन्हीं में से एक हैं, जिनकी आंखों में सपनों की चमक है और मुस्कान में संघर्ष की कहानी। छोटे पर्दे की सादगी भरी शुरूआत से लेकर बड़े परदे की दमदार मौजूदगी तक, उनका हर कदम जुनून और आत्मविश्वास की मिसाल रहा है।

टीवी शो 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' और 'कुमकुम भाग्य' से पहचान बनाने वाली मृणाल ने जब फिल्मों की दुनिया में कदम रखा, तो संवेदनशील फिल्म 'लव सोनिया' से अपने अभिनय की गहराई का एहसास कराया। इसके बाद 'सुपर 30', 'बटला हाउस', 'तूफान' और 'जर्सी' में उनकी मौजूदगी ने साबित किया कि वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि हर किरदार को जीने वाली कलाकार हैं। साउथ सिनेमा में 'सीता रामम' और हाय नन्ना ने उन्हें पैन-इंडिया पहचान दिलाई। अब प्यार के इस खास मौसम में वह अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए एक बार फिर भावनाओं की नई दास्तां लेकर आ रही हैं। 20 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही इस फिल्म के मौके पर उन्होंने 'हिन्दुस्थान समाचार' से अपने सफर, संघर्ष और सपनों पर दिल खोलकर बात की।

सवाल : फिल्म के टाइटल में 'सहर' शब्द का क्या अर्थ है?

मृणाल ठाकुर : उन्होंने कहा, 'सहर' का मतलब होता है भोर, अंधेरे को चीरती हुई रोशनी की पहली किरण। इस शब्द में एक सादगी है, एक देसीपन है, जो हमारी कहानी की आत्मा से जुड़ता है। इसमें उम्मीद है, नई शुरूआत है और एक कोमल भावनात्मक स्पर्श भी। पुराने गीत 'दो दीवाने शहर में' से जो शहर, सपनों और प्रेम का एहसास जुड़ा है, वही संवेदना हमारे टाइटल में भी छिपी है। बस हमने उसे थोड़ा अपना रंग दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस टाइटल का सुझाव संजय लीला भंसाली सर ने दिया था। इसके पीछे एक खूबसूरत सोच भी है। फिल्म में शशांक 'श' का सही उच्चारण नहीं कर पाता और 'शहर' की जगह 'सहर' बोलता है। यह केवल एक उच्चारण की गलती नहीं, बल्कि कहानी का एक मासूम और प्यारा पहलू है। इस तरह 'सहर' सिर्फ एक शहर का नाम नहीं, बल्कि नई सुबह, उम्मीद और प्रेम की शुरूआत का प्रतीक बन जाता है।

सवाल : करियर की शुरूआत में क्या आपको रास्ता अनिश्चित या जोखिम भरा लगा? उस दौर में आपने खुद को कैसे संभाला?

मृणाल ठाकुर : हाँ, बिल्कुल। बचपन से ही मेरे भीतर एक झिझक थी। कई बार क्लास में जवाब पता होने के बावजूद मैं हाथ उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाती थी। मुझे अपनी अंग्रेजी को लेकर हीन भावना होती थी, क्योंकि उसमें मराठी लहजा साफ झलकता था। इतना ही नहीं, मेरा नाम 'मृणाल' लड़कों जैसा लगता है, इस वजह से स्कूल में बच्चे मुझे चिढ़ाते भी थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद भी यह असुरक्षा मेरे साथ रही। मुझे लगता था कि मुझे और धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलनी चाहिए, मेरे उच्चारण में मराठी लहजा कम होना चाहिए। लेकिन समय के साथ समझ आया कि हमारी असुरक्षाएँ तभी बड़ी बनती हैं, जब हम उन्हें खुद बड़ा बना देते हैं। आज मैं अपने व्यक्तित्व और अपनी जड़ों के साथ पूरी तरह सहज और संतुष्ट हूँ। जहां तक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' की बात है, इसमें मेरा किरदार 'रोशनी' मेरे व्यक्तित्व का करीब साठ प्रतिशत हिस्सा दशार्ता है। बाकी चालीस प्रतिशत उसकी अपनी यात्रा और रचनात्मक निर्माण से आता है। यह कहानी दो लोगों के एक-दूसरे की कमियों को समझने, स्वीकारने और उन्हें खूबसूरती में बदल देने की है। हमने एक नरम, सादगी भरी प्रेम कहानी पेश करने की कोशिश की है, ऐसी कहानी जो आज के सोशल मीडिया के शोर में खोती जा रही सच्ची भावनाओं को फिर से जगाने का एक ईमानदार प्रयास है।

सवाल : ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के पीछे ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग कितनी अहम रही?

मृणाल ठाकुर : हमारा रिश्ता सिर्फ को-एक्टर्स वाला नहीं रहा, बल्कि सच में दोस्ती में बदल गया। हम एक-दूसरे की परवाह करते हैं, कभी हल्की-फुल्की नोकझोंक भी हो जाती है, मजाक-मस्ती भी होती है, लेकिन अंत में दिल से जुड़े रहते हैं। मेरे लिए सबसे खास बात उनकी काम के प्रति ईमानदारी है। मैंने कई कलाकारों को लोकप्रियता की चकाचौंध में खोते देखा है, लेकिन सिद्धांत जमीन से जुड़े इंसान हैं। सेट पर उनकी सादगी और फोकस साफ नजर आता था। वह हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, ताकि दर्शक सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि उनके भीतर की सच्चाई भी महसूस कर सकें। ऐसे समर्पित सह-कलाकार के साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं। पूरा अनुभव बेहद यादगार रहा। शूट के दौरान हमने मुंबई को साथ जिया, मैं उन्हें स्कूटर पर कॉलेज तक ले जाती थी, ठीक वैसे ही जैसे फिल्म में दिखाया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से चर्चगेट तक का सफर, के.सी. कॉलेज का कैंपस और एशियाटिक लाइब्रेरी की सीढ़ियों पर फिल्माया गया क्लाइमेक्स, ये सब मेरे लिए बेहद खास रहा। मुंबई मेरे लिए सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि घर जैसा एहसास है। कुछ दिनों के लिए बाहर जाऊं तो भी मन यहीं लौटने को बेताब रहता है।

सवाल : आपने हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। काम करने के तरीके में क्या अंतर महसूस हुआ?

मृणाल ठाकुर : मेरे अनुभव में सबसे बड़ा अंतर भाषा का है। बाकी जहां तक मेहनत, प्रोफेशनलिज्म और समर्पण की बात है, वो दोनों इंडस्ट्री में समान है। संस्कृति और खान-पान बदल जाता है, यहां वड़ापाव और कंदा-पोहा, तो वहां इडली-वड़ा और सांभर, लेकिन काम के प्रति जुनून हर जगह एक जैसा है। मुंबई में अक्सर शूटिंग का शेड्यूल काफी टाइट और दबाव भरा होता है। उदाहरण के तौर पर, हमने अपनी एक फिल्म सिर्फ 38 दिनों में पूरी की, जबकि 'डकैत' की शूटिंग में करीब 75 दिन लगे और उससे पहले की एक फिल्म को लगभग 120 दिन मिले। इसलिए स्पीड, प्लानिंग और वर्किंग स्टाइल निर्देशक और प्रोडक्शन पर निर्भर करता है। आखिर में, दोनों इंडस्ट्री की असली ताकत उनके दर्शक हैं। हिंदी हो या साउथ सिनेमा, मुझे हर जगह से भरपूर प्यार मिला है। एक कलाकार के लिए इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है।

सवाल : क्या आपके 'लुक' को लेकर कभी कोई अलग अनुभव रहा है?

मृणाल ठाकुर : जी हां, मेरे साथ ऐसा हुआ है। मेरी पहली फिल्म 'लव सोनिया' के दौरान मेरा ऑडिशन एक ऐसे फोल्डर में रखा गया था जिस पर लिखा था 'खोलना मना है।' लेकिन निर्देशक तबरेज नूरानी ने वह फाइल खोली, ऑडिशन देखा और मुझसे मुलाकात की। बातचीत के बाद उन्हें भरोसा हुआ कि मैं 'सोनियाः का किरदार निभा सकती हूं। यह किरदार एक गांव की साधारण लड़की का था, इसलिए मुझे टीम को समझाना पड़ा कि सादगी वाला लुक मेकअप और तकनीक से हासिल किया जा सकता है। लोग अक्सर सोचते हैं कि खूबसूरती और सफलता सब कुछ आसान बना देती है, लेकिन सच्चाई यह है कि हर किसी का अपना संघर्ष होता है। शोहरत के पीछे भी

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के लिए सीपी प्लस को बनाया नया टाइटल स्पॉन्सर

एजेंसी

मुंबई : पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी अब इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में नए जोश और महत्वाकांक्षा के साथ उतरने जा रही है। टीम ने वैश्विक सुरक्षा और निगरानी ब्रांड सीपी प्लस के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत सीपी प्लस आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स का टाइटल स्पॉन्सर बनेगा, जिससे टीम की ब्रांड पहचान और व्यावसायिक दायरा और मजबूत होगा। विश्वास, सुरक्षा और तकनीक के बढ़ते महत्व के दौर में यह साझेदारी भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को दशार्ती है। दोनों ब्रांड प्रदर्शन, विश्वसनीयता और नवाचार के मूल्यों से जुड़े हैं और देशभर के

दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव रखते हैं। सीपी प्लस वीडियो निगरानी, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल, होम ऑटोमेशन और एंटरप्राइज सुरक्षा प्रणालियों सहित उन्नत समाधानों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। नवाचार और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह ब्रांड घरों, व्यवसायों और सार्वजनिक अवसंरचना में सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए जाना जाता है। इस साझेदारी के तहत पंजाब किंग्स और सीपी प्लस पूरे सत्र में डिजिटल अभियानों, मैदान पर विशेष गतिविधियों और प्रशंसक-केंद्रित पहलों की शुरूआत करेंगे। साथ ही स्टेडियम और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तकनीक आधारित इंटीग्रेशन के माध्यम से मैच अनुभव को और अधिक रोचक व इंटरैक्टिव बनाने की योजना है। सीपी प्लस के प्रबंध निदेशक आदित्य खेमका ने कहा कि क्रिकेट देश को जोड़ने वाला खेल है और पंजाब किंग्स के साथ यह साझेदारी उनके लिए विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि उच्च प्रदर्शन वाले खेल और उनकी कंपनी की कार्यशैली में अनुशासन, सटीकता और दबाव में निरंतर प्रदर्शन जैसी समानताएं हैं। पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश मेनन ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि यह साझा दृष्टिकोण पर आधारित है और दोनों ब्रांडों के लिए मूल्य सृजित करेगी। वहीं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सौरभ अरोड़ा ने कहा कि सीपी प्लस एक भरोसेमंद ब्रांड है, जो आईपीएल दर्शकों से स्वाभाविक रूप से जुड़ता है। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स ने 16 दिसंबर को आयोजित आईपीएल 2026 नीलामी में 25 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें चार नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया। मजबूत कोर और नए जोश के साथ टीम आगामी सत्र में एक बार फिर दमदार प्रदर्शन की तैयारी में है।

मप्र विधानसभा बजट सत्र का आज चौथा दिन, पानी, वित्तीय अनियमितता और आबकारी नीति पर बहस के आसार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज गुरुवार को चौथा दिन है। सदन में पानी का मुद्दा, वित्तीय अनियमितताओं का मामला और आबकारी नीति जैसे अहम विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। साथ ही राज्यपाल के अभिभाषण पर भी बहस जारी रहेगी। बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने जबलपुर में घर-घर नर्मदा जल पहुंचाने की नई योजना में कथित अव्यवस्थाओं को लेकर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगाया है। वे योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे।

अनूपपुर कॉलेज में वित्तीय अनियमितता का मामला

कांग्रेस विधायक फुंदेलाल मार्को ने अनूपपुर के शासकीय स्नातक महाविद्यालय में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है। आरोप है कि पुष्पराजगढ़ के तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं से वसूली गई शुल्क राशि का

निजी उपयोग किया। इस मामले में वे उच्च शिक्षा मंत्री से जवाब मांगेंगे।

आबकारी नीति 2026-27 पर वक्तव्य

वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा सदन में वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति पर वक्तव्य देंगे। इस पर भी विपक्ष की ओर से सवाल उठने की संभावना है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा जारी

सोमवार को मंगू भाई पटेल ने अपने अभिभाषण में प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख किया था। उन्होंने डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभाव और ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के विजन में मध्य प्रदेश की भूमिका को विस्तार से रखा था। आज भी उसी पर चर्चा जारी रहेगी।

सदन की कार्यवाही

चौथे दिन दो ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के साथ 80 याचिकाएं प्रस्तुत की जाएंगी। मंत्री जगदीश देवड़ा, प्रहलाद पटेल, संपतिया उईके, चैतन्य कश्यप, इंदर सिंह परमार और प्रद्युम्न सिंह तोमर सदन की पटल पर विभिन्न पत्र रखेंगे। कुल मिलाकर, बजट सत्र का चौथा दिन सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस का साक्षी बन सकता है।

तमिलनाडु विस चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त 26-27 फरवरी को करेंगे राज्य का दौरा

चेन्नई : तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का तमिलनाडु दौरा तय हो गया है। वे 26 और 27 फरवरी को राज्य का दौरा करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का तमिलनाडु दौरा तय हो गया है। वे 26 फरवरी (गुरुवार) और 27 फरवरी (शुक्रवार) को चेन्नई में रहेंगे। अपने दौरे में वे राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। उनके दौरे के बाद तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तारीख को अंतिम रूप दिया जाएगा। संभावना है कि मार्च के मध्य में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी जाएगी और इसके साथ ही आचार संहिता लागू हो जाएगी। तमिलनाडु के साथ-साथ पुडुचेरी, केरल, असम और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग की उप-आयुक्त टीम संबंधित राज्यों का दौरा कर रही है और सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

हाल ही में यह टीम तमिलनाडु आई थी और यहां दो दिनों तक सरकारी अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इन बैठकों में लिए गए निर्णयों की रिपोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त को सौंपी जाएगी। इसके आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त स्वयं तमिलनाडु का दौरा कर अधिकारियों के साथ पुनः समीक्षा बैठक करेंगे। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। चुनाव को ध्यान में रखते हुए राज्यभर में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान स्थानांतरित हो चुके मतदाता, दिवंगत मतदाता तथा दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं सहित लगभग एक लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए।

एशियन पेंट्स ने एक दमदार क्रिकेट एंथम के साथ किया क्रिकेट के रंगों को सजीव

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : भारत में क्रिकेट महज एक खेल नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर है। यह लोगों को गौरव, उम्मीद और उत्साह के साथ एकजुट रखता है। एकजुटता की इसी भावना के मद्देनजर एशियन पेंट्स ने लॉन्च किया है एशियन पेंट्स रंग दे इंडिया क्रिकेट एंथम। यह एक ऐसी अभिव्यक्ति है, जो संगीत के जरिए उन रंगों, भावनाओं और एकता की खुशियां मनाती है जिसे क्रिकेट हर भारतीय घर में भरता है। इस अभियान के बारे में एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगल ने कहा कि क्रिकेट में यह अनोखी और मजबूत क्षमता है कि वो क्षेत्रों और पीढ़ियों से परे पूरे भारत को एकजुट कर सकता है। एशियन पेंट्स में हम हमेशा मानते आए हैं कि रंग सिर्फ खूबसूरती के लिए नहीं होते, बल्कि वो इससे कहीं अधिक भावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। रंगों के क्षेत्र में अग्रणी होने के नाते, हम यह जानने का प्रयास करते रहते हैं कि रंग किस तरह से उन भावनाओं को जीवंत कर सकते हैं जिन्हें अक्सर शब्दों में बयां करना असंभव होता है। यह एंथम उन भावनाओं के प्रति हमरा सम्मान है, जो क्रिकेट लाखों भारतीय घरों में जगाता है। एंथम के बारे में किन्नेक्ट के सीसीओ नेविल शाह ने कहा कि एशियन पेंट्स के लिए रंग कभी सजावट की वस्तु नहीं रहे हैं। रंग अपने आप में एक अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति हैं। इंडिया होम क्रिकेट के कलर पार्टनर के रूप में एंथम बनाना काफी स्वाभाविक लगा। क्रिकेट के इस सीजन में भारतीय घरों में प्रवेश करने का हमारा यही तरीका था, एक ब्रांड के रूप में नहीं, बल्कि उस भावना के उत्साह का जश्न मनाने वाले के रूप में जो यह खेल अपने साथ लाता है। एशियन पेंट्स ने रंगों के जरिए और फैन्स को ध्यान में रखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ होने वाले घरेलू क्रिकेट के आधिकारिक कलर पार्टनर के रूप में अपने जुड़ाव को लगातार मजबूत किया है। यह एंथम ब्रांड के इस विश्वास को दशार्ता है कि रंग भावनाओं की अभिव्यक्ति है और एक ऐसी शक्ति है जो लोगों को करीब लाती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप में भीषण आग, डेढ़ करोड़ का नुकसान

अजमेर : शहर के फायसागर रोड पर स्थित पाराशर कम्यूनिकेशन इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर दुकान में रखा लाखों का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब 1.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दुकान के ऊपर बने मकान में परिवार के सदस्य रह रहे थे। दुकान मालिक संजय पाराशर के छोटे भाई विजय पाराशर ने बताया कि अचानक धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग की लपटें भड़क उठीं। ऊपर रह रहे उनके छोटे भाई विवेक, उनकी पत्नी और बेटे ने जान बचाने के लिए एक मंजिल से छलांग लगा दी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। फायर ऑफिसर गौरव तंवर ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

5.65 लाख रुपये की शुरूआती कीमत में ग्रेवाइट की लॉन्चिंग के साथ निसान ने बोल्ड इंडिया रीसर्जेंस की झलक दिखाई

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय बाजार में अपनी नई 7-सीटर एमपीवी ह्यग्रेवाइटह्ल को 5.65 लाख रुपये की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया। कंपनी ने इसे अपने बोल्ड इंडिया रीसर्जेंस अभियान का अहम कदम बताया है। ग्रेवाइट को आधुनिक भारतीय परिवारों की जरूरतों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिसमें 2 से 7 सीटिंग कॉन्फिगरेशन और 625 लीटर तक बूट स्पेस की सुविधा मिलती है। लॉन्च के दौरान निसान और इनफिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं मिडिल ईस्ट, केएसए, सीआईएस और भारत के प्रेसिडेंट थियरी सबाग ने कहा कि भारत निसान की वैश्विक रणनीति के केंद्र में है। ग्रेवाइट का लॉन्च कंपनी के दीर्घकालिक निवेश, लोकल मैन्युफैक्रिंग और नेटवर्क विस्तार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि चेन्नई प्लांट में इसका निर्माण ह्यमेड इन इंडिया विजन को मजबूती देता है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की आकांक्षाओं और रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, वायरलेस कनेक्टिविटी और आधुनिक डिजिटल फीचर्स शामिल हैं। ग्रेवाइट पांच रंगों में उपलब्ध होगी और इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 8.49 लाख रुपये तक है। कंपनी को उम्मीद है कि यह मॉडल प्रतिस्पर्धी एमपीवी सेगमेंट में नई पहचान बनाएगा।

शिमला : नेपाली मजदूर की हत्या, नदी किनारे बंधे हाथ-पैर के साथ मिला शव

एजेंसी

शिमला : एक नेपाली मूल के मजदूर को मौत के घाट उतार बदमाशों ने उसका शव नदी किनारे फेंक दिया। सुबह जब स्थानीय लोगों ने क्षत-विक्षत हालत में शव देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक के हाथ-पैर बंधे हुए थे और सिर पर गहरी चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संदिग्धों की तलाश जारी है। शिमला जिले के चिड़गांव क्षेत्र की उपतहसील जांगला के बडियारा में यह वारदात सामने आई। पुलिस थाना चिड़गांव में मामला दीपेंद्र पुत्र स्वर्गीय सुंदर लाल निवासी गांव दिसवानी, डाकघर कलोटी के बयान पर दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी की सुबह करीब आठ बजे वह अपने घर से बडियारा पुल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पब्बर नदी के किनारे खिलोचा नाले के पास उन्होंने बड़ी संख्या में कौवों को मंडराते देखा। संदेह होने पर जब दीपेंद्र पास पहुंचे तो एक व्यक्ति पीठ के बल पड़ा मिला। उन्होंने देखा कि मृतक के सिर के दाहिने हिस्से पर गहरी चोट थी। दोनों हाथ और पैर कपड़े से बंधे हुए थे और शरीर का ऊपरी हिस्सा नग्न था। सिर के पास काफी खून फैला हुआ था, जिससे हत्या की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने तुरंत 112 हेल्पलाइन पर सूचना दी और ग्राम पंचायत दिसवानी के प्रधान धर्मेंद्र को भी जानकारी दी। मृतक की पहचान सेती राम उर्फ राकेश प्रताप (उम्र करीब 46 वर्ष) निवासी जिला सल्याणी, नेपाल के रूप में हुई है। वह पिछले लगभग चार महीनों से बडियारा में जय लाल भंडारी के पास मजदूरी कर रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार शाम को मृतक को नेपाल मूल के कुछ अन्य लोगों के साथ देखा गया था। बताया जा रहा है कि उसने शाम के समय दो साथियों के साथ शराब का सेवन किया था, जिसके बाद वह लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी प्रणव चौहान ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों के अनशन का 57वां दिन, अंगारों पर चले आंदोलनकारी

एजेंसी

रायपुर : सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के 2300 रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर लगातार 57 दिनों से अनशन पर बैठे डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की शारीरिक और मानसिक स्थिति चिंताजनक हो गई है।आंदोलन के 56वें दिन की रात और 57वें दिन (19 फरवरी) की शुरूआत के बीच नाराज अभ्यर्थियों ने नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर जलते हुए कोयलों (अंगारों) पर नंगे पैर चलकर अपना विरोध दर्ज कराया था। प्रदर्शन के तुरंत बाद, 19 फरवरी की सुबह, पुलिस ने धरना स्थल को खाली कराने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।शासन की ओर से सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलनकारियों ने सामूहिक रूप से आग जलाकर अंगारों पर चलकर विरोध प्रदर्शन किया है।

रायपुर में डी.एड. और बी.एड. प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का यह अनशन 24 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ है। अभ्यर्थी 24 दिसंबर 2025 से तूता धरना स्थल पर 2300 रिक्त पदों पर भर्ती और आदिवासी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित 1600 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हैं। आंदोलनकारियों ने 25 फरवरी को शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव किया था। 48 वें दिन 9 फरवरी 2026 को अनशन के कारण कई अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें स्ट्रेचर पर अस्पताल ले जाया गया। आंदोलनकारियों ने 57 वें दिन जलते अंगारों पर चलकर प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग कर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुलिस और फायर ब्रिगेड को हस्तक्षेप करना पड़ा। पानी और अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग बुझाई गई।इसके बाद पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच झड़प हुई, जिसमें 4 अभ्यर्थी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। उन्हें अभनपुर अस्पताल ले जाया गया। बाद में सभी अभ्यर्थियों को बस में बैठाकर हिरासत में लेते हुए सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 1600 से अधिक एसटी पद रिक्त हैं जिसके चलते आदिवासी युवाओं में आक्रोश है। अदालत के आदेशों के बावजूद इन पदों पर नियुक्ति नहीं की गई है, जिससे आदिवासी वर्ग के युवाओं और उनके परिजनों में गहरी नाराजगी है।कई अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और शिक्षा मंत्री को अपने खून से पत्र लिखकर एक ही मांग रखी है कि ह्लहमें नियुक्ति पत्र चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बीती देर रात सेंट्रल जेल पहुंचे और अभ्यर्थियों से मुलाकात की।उन्होंने उनकी मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार से तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करने की अपील की। आंदोलनकारी सुप्रीम कोर्ट (28 अगस्त 2024) और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट (सितंबर 2025) के आदेशों का हवाला दे रहे हैं, जिसमें प्राथमिक शिक्षकों के पदों पर डी.एड. धारकों की पात्रता की बात कही गई है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 149 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बढ़त के साथ खुला। शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेज (बीएसई) का सेंसेक्स 147.46 अंक यानी 0.18 फीसदी उछलकर 83,881.17 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सेंचज एनएसई का निफ्टी 50.55 अंक यानी 0.20 फीसदी बढ़कर 25,869.90 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान एआई समिट के प्रभाव से

आईटी सेक्टर आज सबसे ज्यादा बढ़त बनाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1 फीसदी की तेजी देखी गई है। इसके अलावा मेटल शेयरों में भी 0.60 फीसदी की मजबूती दिखी है। वहीं, बैंकिंग सेक्टर में थोड़ा दबाव दिखा और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर रहा।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को बीएसई का सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 फीसदी उछल कर 83,734.25 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 फीसदी की बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ था।

असम में भाजपा तीनों रास सीटों पर लड़ेगी चुनाव: डॉ. हिमंत

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बीती रात मीडिया से बात करते हुए कहा कि असम में आने वाले दिनों में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के लिए तीनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवार खड़े करेगी। इन तीनों राज्यसभा सीटों के लिए उम्मीदवार लगभग तय हो गए हैं।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा तीनों सीटों पर चुनाव लड़ेगी और तीनों राज्यसभा सीटों के लिए उम्मीदवार लगभग तय हो गए हैं। हमें उन सभी पर जीत की उम्मीद

है। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भाजपा की अभी असम विधानसभा में मजबूत स्थिति है, जिससे उसे संसद के ऊपरी सदन के लिए चुनाव प्रक्रिया में संख्या का फायदा मिलता है।

न्यूज IN ब्रीफ

ममता बनर्जी ने श्रीरामकृष्ण परमहंस की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर युगावतार श्रीश्रीरामकृष्ण परमहंस देव की जन्मतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक प्रणाम अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल की भूमि उनके आविर्भाव से धन्य हुई है और उनकी अमृतवाणी व सर्वधर्म समन्वय का आदर्श आज भी समाज के लिए आलोकस्तंभ है।
मुख्यमंत्री ने ह्यजितने मत, उतने पथह्ल के शाश्वत संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्लमानव सेवा ही ईश्वर सेवाह्ल – इस शिक्षा को उन्होंने जीवन भर अपनाया है और आगे भी इसी प्रेरणा के साथ जनसेवा करती रहेंगी।
पोस्ट में ममता बनर्जी ने बताया कि श्रीरामकृष्ण परमहंस से जुड़े तीर्थस्थलों के विकास के लिए राज्य सरकार ने व्यापक कार्य किए हैं। दक्षिणेश्वर काली मंदिर परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक और पर्यटन स्थल बनाने के लिए ह्यरानी रासमणि स्काईवॉकह्ल, मंदिर परिसर की आकर्षक प्रकाश-सज्जा, सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और नया जेटी बनाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि रेल मंत्री रहते हुए उन्होंने दक्षिणेश्वर रेलवे स्टेशन को काली मंदिर की तर्ज पर सजाया था।
मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामकृष्ण की जन्मभूमि कामारपुकुर और मां शारदा की जन्मभूमि जयरामबाटी के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए ह्यजयरामबाटीझकामारपुकुर डेवलपमेंट बोर्डह्ल का गठन किया गया और अब तक बोर्ड को 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। इन पवित्र तीर्थ क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे के विकास में पहले ही लगभग 80 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से सड़क संपर्क बेहतर किया गया है और 5.87 करोड़ रुपये से पर्यटन अवसंरचना विकसित की गई है। स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए कामारपुकुर ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन और ग्रामीण अस्पताल में विशेष हेल्थ यूनिट की स्थापना की गई है। यात्रियों व पर्यटकों की सुविधा के लिए करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक बस स्टैंड और एक इको-टूरिज्म पार्क भी बनाया गया है।
इसके अलावा, कामारपुकुर मिशन में हॉस्टल भवन निर्माण तथा जयरामबाटी के मातृमंदिर के जीर्णोद्धार की पहल की गई है। रामकृष्ण मठ एवं मिशन के अनुरोध पर भक्तों की सुविधा के लिए पांच मंजिला गेस्ट हाउस और प्रसाद वितरण केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही, बड़े क्षेत्र में ओपन पार्किंग जोन विकसित किया जा रहा है, जिस पर सरकार लगभग 5.77 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कामारपुकुर स्थित रामकृष्ण मठ एवं मिशन परिसर में पेयजल समस्या के समाधान के लिए पहले ही पाइपलाइन और नलकूप लगाए गए थे। अब व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए नया गहरा नलकूप और पंप हाउस का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। ममता बनर्जी ने अपने संदेश में कहा कि राज्य सरकार श्रीरामकृष्ण परमहंस और मां शारदा से जुड़े इन पवित्र स्थलों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

आनंदपुर अग्निकांड के 24 दिन बाद भी नहीं हुई मृतकों की पहचान

कोलकाता : आनंदपुर के भीषण अग्निकांड को 24 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक किसी भी मृतक की आधिकारिक पहचान नहीं हो सकी है। परिजनों को अपने प्रियजनों के अवशेष तक नहीं मिले हैं, जबकि राज्य सरकार की ओर से घोषित 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता 27 परिवारों के हाथों में पहुंच चुकी है। बिना सरकारी पुष्टि के मुआवजा दिए जाने से परिजनों के मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राज्य सरकार ने घटना के बाद मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की थी। जली हुई गोदामों में से एक ह्यवाओ मोमोह्ल कंपनी की भी थी। कंपनी ने अपने तीन कर्मचारियों के परिवारों को अलग से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया था। हाल ही में प्रभावित परिवारों को 10-10 लाख रुपये के चेक सौंपे गए। कहीं जिला प्रशासन ने चेक दिए तो कहीं स्थानीय नेताओं के माध्यम से यह राशि वितरित की गई। हालांकि, मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि से पहले मुआवजा देने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।
पुलिस अब भी बरामद किए गए अवशेषों की डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। फोरेंसिक विभाग के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस प्रकार की डीएनए जांच में अतिरिक्त समय लगता है। अवशेषों की स्थिति ऐसी है कि बिना डीएनए परीक्षण के पहचान संभव नहीं है। मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जली हुई गोदाम के मालिक गंगाधर के अलावा पुलिस ने ह्यवाओ मोमोह्ल गोदाम के मैनेजर मनोरंजन शिट और डिप्टी मैनेजर राजा चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया है। तीनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। आग से केवल दो लोग ही जान बचाकर निकल पाए थे, जिनसे भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है। कंपनी के दफ्तर के मालिक और अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ कर बयान दर्ज किए गए हैं। इसे लेकर अभी कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं है। इस बीच, मिदनापुर के निरंजन मंडल और झाड़ग्राम के रवीश हांसदा का परिवार अब भी शोक की परंपराओं का पालन कर रहा है। उनके घर में चूल्हा नहीं जल रहा और भोजन रिश्तेदारों के घर से आ रहा है। मिदनापुर के देवदित्य दिंडा का परिवार भी मुआवजे की राशि और अपने प्रियजन के मृत्यू संवाद की आधिकारिक पुष्टि के इंतजार में अनिश्चितता से जूझ रहा है।

उज्जैन: बारिश और तेज हवाओं से गेहूं की फसल बर्बाद, कई गांवों में नुकसान का अनुमान

खाचरोद: मध्य प्रदेश के मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के खाचरोद नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार रात अचानक मौसम ने करवट ले ली। तेज बारिश के साथ चली आंधी जैसी हवाओं ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दीं। बारिश भले ही कुछ देर में थम गई, लेकिन तेज हवाओं का असर गुरुवार सुबह तक बना रहा। मौसम में आए बदलाव से तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। बुधवार दोपहर जहां पारा करीब 30 डिग्री सेल्सियस था, वहीं रात होते-होते यह गिरकर 16 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे ठंडक बढ़ गई। लगातार दो दिनों से हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण क्षेत्र में गेहूं की तैयार फसल आड़ी पड़ गई है। कई किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद होने की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई के लिए लगभग तैयार है और कुछ ही दिनों में कटाई शुरू होने वाली थी। ऐसे में फसल के गिर जाने से उत्पादन और बाजार में आवक दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। विकासखंड खाचरोद के लगभग 18 गांवों में फसल नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि इससे पहले सोयाबीन की फसल भी अतिवृष्टि की भेंट चढ़ चुकी है, जिससे वे पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अब गेहूं की फसल को हुए नुकसान ने उनकी स्थिति और गंभीर कर दी है। मौसम की मार झेल रहे किसानों ने शासन-प्रशासन से सर्वे कराकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग उठाई है।

जहर खाकर युवक की मौत, परिजनों ने धमकी और मारपीट का लगाया आरोप

शिमला : शिमला शहर में एक युवक की जहर खाने से हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार का आरोप है कि कुछ लोगों की धमकी और मारपीट से युवक इतना मानसिक दबाव में आ गया था कि उसने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस थाना सदर में यह मामला राजू पुत्र निवासी कृष्णा नगर, शिमला की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार 7 फरवरी को दिन के समय कुछ परिचित लोग उस दुकान पर पहुंचे, जहां उसका भतीजा काम करता था। आरोप है कि वहां इन लोगों ने उसके भतीजे से झगड़ा किया, उसे धक्का दिया, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद युवक बुरी तरह डर गया और मानसिक तनाव में रहने लगा। परिजनों के अनुसार बढ़ते मानसिक दबाव के चलते युवक ने 17 फरवरी को जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है। इस संबंध में पुलिस थाना सदर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 और 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच जारी है।

नगरपालिका चुनाव के सफल संचालन को लेकर डीसी लिया तैयारियों का जायजा

संवाददाता

देवघर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल संचालन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न कोषांगों के कार्यों के अलावा वज्रगृह, रिसीविंग सेंटर, मतगणना केंद्र समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री लकड़ा ने सभी आरओ एवं एआरओ के अलावा सभी कोषांगों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि गठित सभी कोषांग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समयबद्ध तरीके से करें। साथ ही उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे सभी कर्मियों को समुचित, गुणवत्तापूर्ण एवं

अनिवार्य प्रशिक्षण देने पर विशेष जोर दिया, ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। आगे परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था, विधि व्यवस्था के अलावा बैठक में मतदान कर्मियों को मतदान केंद्रों तक लाने-ले जाने के लिए पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था, मतपेटिका से मतदान, मतदान कर्मियों का रेंडमाइजेशन, डिस्पैच एवं रिसिविंग की प्रक्रिया सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही मतपत्र मुद्रण और सामग्री की समय पर उपलब्धता को लेकर उपायुक्त ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मार्गदर्शिका के अनुरूप मतपत्र के मुद्रण एवं निर्वाचन सामग्री की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा देवघर नगर निगम व मधुपुर नगर परिषद चुनाव को लेकर स्ट्रांग रूम और काउंटिंग हॉल के व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में चुनाव व्यय के आकलन, मांग एवं प्राप्ति, चुनाव व्यय से संबंधित मामलों के निपटान व आदर्श आचार संहिता के प्रभावी प्रवर्तन व व्यय निगरानी व्यवस्था पर जोर दिया गया। आगे उपायुक्त ने एसएसटी, एफएसटी एवं वीएसटी टीम के द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को एक्टिव होकर कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर राजीव कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह,जिला कोषागार पदाधिकारी, सभी आरओ, एआरओ एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

विजय सिंह गागराई ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में चक्रधरपुर के एतवारी बाजार,प्रेम निवास, जलाराम मेडिकल दुकान समेत अन्य जगहों में जनसंपर्क अभियान के दौरान विजय सिंह गागराई ने शहर वासियों को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद चुनाव आठ वर्षों तक नहीं कराए जाने से शहरों में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई। उनके अनुसार ट्रैफिक जाम, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और साफ-सफाई की कमी जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हुए और जनता अपने मूल अधिकारों से वंचित रही।उन्होंने कहा कि अब चुनाव के समय कुछ लोग पुनः जनता के बीच आ रहे हैं, ऐसे में मतदाताओं को सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। 3 नम्बर पर चूड़ियां छाप में मोहर लगा कर चक्रधरपुर के विकास एवं नवनिर्माण को लेकर वोट देना है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने नगर परिषद चुनाव में मुझे समर्थन दिया है। उनके अनुसार समर्थित प्रत्याशी जनहित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जुगसलाई में 7 किलो प्लास्टिक बरामद होने पर 3 हजार जुर्माना

जमशेदपुर : जुगसलाई नगर परिषद के कर्मचारियों ने बुधवार को स्टेशन रोड गुरुद्वारा से बाटा चौक, चौक बाजार, धर्मशाला रोड, जुगसलाई फाटक चौक, मारवाड़ी पाड़ा रोड समेत विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाकर फूटपाथी दुकानदारों से 7 किलो प्लास्टिक बरामद किया। जांच अभियान में झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद एवं पुलिस के पदाधिकारी भी शामिल थे। प्लास्टिक बरामद होने पर जांच टीम ने दुकानदारों से 3 हजार जुमार्ना वसूलने के साथ ही भविष्य में प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है।

उपायुक्त ने रिसीविंग व डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण

दुमका : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के मद्देनजर जिले के अभिजीत सिन्हा ने 23 फरवरी को होने वाले मतदान को लेकर मतपेटिका के रिसीविंग हेतु इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित रिसीविंग सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि नगर परिषद् दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ दोनों के लिए अलग-अलग रिसीविंग सेंटर बनाए जाएँ, ताकि मतदान कर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने मतदान कर्मियों की सुविधा हेतु आवश्यक सभी तैयारियाँ ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने हेल्प डेस्क निर्माण, शौचालयों की साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

इसके उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने इंडोर स्टेडियम में बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने यहाँ भी नगर परिषद् दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के लिए पृथक-पृथक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही बैरिकेडिंग सुदृढ़ रखने, स्पष्ट साइनेज लगाने, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने सहित अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने मटेरियल कोषांग का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता, पैकेजिंग, वितरण व्यवस्था एवं अभिलेख संधारण की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी सामग्रियों की सूचीबद्धता एवं सुरक्षित संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस दौरान उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, विभिन्न क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सहित अन्य कोषांगों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सभी मतदान केंद्र पर सीसीटीवी की व्यवस्था की जाएगी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिन्हा ने अब तक की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा कोई भी कार्य अंतिम समय के लिए लंबित न रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि पोलिंग पार्टियों का तृतीय (3१f) रेंडमाइजेशन 21 फरवरी को किया जाएगा। प्रशिक्षण कोषांग को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान मतदान कर्मियों को सभी आवश्यक जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए। डिस्पैच कार्य इंडोर स्टेडियम से किया जाएगा तथा मतपेटिकाओं की रिसीविंग दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज में सुनिश्चित की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सेक्टरवार कम्युनिकेशन प्लान तैयार करने का निर्देश देते हुए कहा कि सेक्टर पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों का पूर्व में भौतिक सत्यापन कर लें।

झामुमो समर्थित उम्मीदवार आम लोगों की आवाज बनकर काम करेंगे : पंकज मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज : नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।इसी क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो समर्थित उम्मीदवार रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान के समर्थन में पार्टी के केंद्रीय सचिव व प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने साहिबगंज में भव्य रोड शो किया।रोड शो के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख चौक-चौराहों पर समर्थकों की भीड़ उमड़ी।इस दौरान पंकज मिश्रा ने जनता से अपील करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव सिर्फ प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं बल्कि शहर के विकास की दिशा तय करने का भी महत्वपूर्ण मौका है।उन्होंने कहा कि रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान जनता के बीच लगातार सक्रिय रहे हैं और स्थानीय समस्याओ जैसे जल निकासी सड़क मरम्मत,सफाई व्यवस्था और पेयजल संकट को

प्राथमिकता से उठाते रहे हैं।उन्होंने दावा किया कि झामुमो समर्थित उम्मीदवार आम लोगों की आवाज बनकर नगर परिषद में काम करेंगे और पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेंगे।रोड शो के दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर विकास के पक्ष में निर्णय लेने की अपील की।वहीं रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने भी मतदाताओं को आश्वस्त किया कि यदि उन्हें जनसमर्थन मिला तो वे शहर के समग्र विकास,युवाओं के लिए रोजगारपरक पहल स्वच्छता अभियान की मजबूती और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता देंगे।मौके पर पूर्व विधायक ताला मरांडी,कांग्रेस नेता अनुकूल मिश्रा,संजीब शामू हेमब्रम,मो कलीमुद्दीन,अरुण चौधरी,बास्की यादव,एखलाक नदीम,शाहजहां अंसारी,श्याम सुंदर पोद्दार,राजू अंसारी,मो नोमान अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नगर परिषद चुनावः दंदा साई वार्ड-5 में सन्नी उरांव ने चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता

चक्रधरपुर : नगर परिषद अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सन्नी उरांव ने बुधवार को दंदा साई वार्ड संख्या 5 में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस मौके पर स्थानीय युवाओं ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। साथ ही जनसंपर्क अभियान में उनका साथ दिया। सन्नी उरांव ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर अपने पक्ष में मतदान

करने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान सन्नी उरांव ने कहा, ह्वमैं आपके बीच का हूं, इसलिए आपकी समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं। यदि जनता मुझ पर भरोसा जताती है तो मैं उस भरोसे पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा।ह्व उन्होंने अपने घोषणा पत्र में किए गए वादों को विस्तार से लोगों के समक्ष रखा और शहर के समग्र विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने चक्रधरपुर की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, छात्र-छात्राओं के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था तथा बुजुर्ग एवं सेवानिवृत्त लोगों के लिए सामुदायिक मिलन स्थल के निर्माण का वादा किया। इसके अलावा शहरी क्षेत्र में बेहतर ड्रेनेज सिस्टम विकसित कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने और अधूरी जलापूर्ति योजनाओं को पूर्ण कर सभी घरों तक पानी पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना को धरातल पर उतारने में वार्ड पार्षदों के साथ आमजनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।अपने घोषणा पत्र में उन्होंने चक्रधरपुर में यात्री बस पड़ाव के निर्माण, श्मशान घाट के समीप स्थित डंपिंग यार्ड को अन्यत्र स्थानांतरित करने, श्मशान घाट में विद्युत शवदाह गृह की स्थापना तथा झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले भूमिहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही नगर पालिका विवाह भवन को निःशुल्क उपलब्ध कराने और नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का वादा किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

पटमदा में चल रही थी प्रतिबंधित भैंसा लड़ाई, सीओ के पहुंचते ही मैदान हो गया खाली

पटमदा : जिला प्रशासन के सख्त निर्देश के बावजूद गुरुवार को सुबह करीब 8 बजे से कमलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कांकू गांव में प्रतिबंधित भैंसा (काड़ा) लड़ाई का आयोजन चल रहा था। एक जोड़े की लड़ाई हो चुकी थी और दूसरे जोड़े को लड़ाने की तैयारी चल रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर सुबह करीब साढ़े 10 बजे पटमदा के अंचलाधिकारी (सीओ) डॉ. राजेंद्र कुमार दास के पहुंचते ही मैदान खाली हो गया और आयोजक कमेटी से जुड़े सदस्य इधर -उधर भागने लगे। टेंट हाउस के कर्मचारी माइक खोलने लगे और देखते ही देखते पूरा मैदान खाली हो गया। जबकि मैदान से थोड़ी दूर बंधा कई भैंसे को अंचलाधिकारी के कहने पर पशुपालक अपने घर ले गए।

कलमकारों ने प्रस्तुत की अपनी रचनाएं

संवाददाता

जमशेदपुर : बहुभाषीय संस्था सहयोग ने एक साहित्यिक मिलन का आयोजन कदमा में किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न कवि और कवित्रियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। इस आयोजन में विद्या तिवारी, डॉ. आशा गुप्ता, ज्योत्सना अस्थाना, सरिता सिंह, डॉ. संध्या सिन्हा, सुधा गोयल, ममता कर्ण, छाया प्रसाद, भारती कुमार, आलोक मंजरी, वंदना, डॉ. रागिनी भूषण और निशीथ सिन्हा ने अपनी रचनाएं सुनाकर महफिल को सजाया। डॉ. रागिनी भूषण, डॉ. जूही समर्पिता और संगीता सिन्हा ने मिलकर निशीथ सिन्हा की तीसरी पुस्तक ₹लालटेन₹ का लोकार्पण किया। यह पुस्तक २१ कविताओं का एक संग्रह है जो आत्म बोध और जीवन के अनुभवों पर आधारित है ।

यह पुस्तक उन्होंने अपने माता पिता को समर्पित किया है । कवि निशीथ सिन्हा ने बताया कि इस पुस्तक का नाम ह्य लालटेन ह्य मां के याद में रखी गई है जो हर रात घर में बिजली के अभाव के बावजूद लालटेन जलाकर उन्हें पढ़ने की प्रेरणा देती थीं` उन्होंने अपनी पुस्तक संग्रह से कुछ कविताएँ सुनाई और अपनी साहित्यिक यात्रा के विषय में भी बताया। डॉक्टर रागिनी भूषण ने लालटेन काव्य संग्रह पर अपने विचार रखते हुए अनेक शुभकामनाएं दी.अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर जूही समर्पिता ने किया. वर्तमान में टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज में हेड के पद पर कार्यरत निशीथ सिन्हा के दो काव्य संग्रह - दिल जो भी कहेगा और छोटी सी आशा पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है । उनकी पुस्तक लालटेन आमेजन पर भी उपलब्ध है।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में की पूजा -अर्चना

संवाददाता

देवघर : बुधवार को तमिलनाडु राज्य के राज्यपाल आर.एन.रवि ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व तिर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात राज्यपाल द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गयी। इसके अलावा पूजा-अर्चना पश्चात मौके पर उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने राज्यपाल श्री रवि को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह व बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद प्रदान किया।

200 मी. और 800मी. दौड़ में रामबन और अनिल ने कायम की बादशाहत

संवाददाता

दुमका : राजकीय जनजातीय हिजला मेला खेलकूद समिति की ओर से बुधवार को पुरुषों के लिए आयोजित 200 मीटर की दौड़ में थॉमसन हेंब्रम ,अहिया शेख और मुन्ना टुडू 800 मीटर की दौड़ में अनिल मुर्मू ,मुकेश हांसदा तथा बाबूजान हेंब्रम,नेत्रहीन के 100 मीटर दौड़ में रवि कुमार हांसदा, दिनेश मुर्मू तथा सिरिल राणा ,निशक्तों के 100 मीटर दौड़ में राजन राणा ,संतोष प्रसाद साह तथा अरुण कुमार दास, निशक्तों के तीनपहिया दौड़ में प्रियम कुमार सिंह तथा कृष्ण मुरारी मंडल, तीरंदाजी आधुनिक वर्ग में चंद्र मोहन सोरेन,नोएल मरांडी तथा सागर मुर्मू ,कुश्ती 55 से 65 किलोग्राम भार वर्ग में वीरेंद्र कुमार टुडू ,आकाश कुमार सिंह तथा मिथिलेश केवट ,कुश्ती 66 से 74 किलोग्राम भार वर्ग में वीरेंद्र टुडू ,मोहम्मद सैफुल और आशीष कुमार नेकराम सा पहला दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त किया।

महिलाओं के लिए आयोजित आधुनिक तीरंदाजी में सावितती मरांडी,सीमा हेंब्रम तथा शिवानी टुडू ,40 से 50 किलोग्राम भार वर्ग कुश्ती में प्रिया मुर्मू, प्रेरणा मरांडी तथा मशीर्ला मुर्मू ,कुश्ती 51 से 60 किलोग्राम भार वर्ग में शीला मुर्मू, अभिलता किस्कू तथा स्वीटी बेसरा, कुश्ती ओपन वर्ग में ललिता कुमारी,कुमारी मुस्कान तथा सुनीता मुर्मू क्रमशः पहले दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रहीं।

गुरुवार को कबड्डी पुरुष वर्ग का फाइनल तालझारी और भाई सेवन दुमका के बीच होगा ,जबकि महिला वर्ग में फाइनल मुकाबला युवा कबड्डी और एसपी कॉलेज दुमका के बीच होगा ।खो खो पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला यूथ क्लब दुमका और पायनियर मसलिया के बीच जबकि महिला वर्ग में फाइनल मुकाबला जोहर स्पोर्टिंग क्लब करविंधा तथा मकरों गर्ल्स दुमका के बीच होगा।

विजेता खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक

मुख्यालय इकुट डुंगडुंग, पुलिस इंस्पेक्टर एन.के. प्रसाद , जिला प्रबंधक आजीविका प्रणव प्रियदर्शी तथा आयोजन समिति के सदस्यों ने नकद एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आयोजन में आयोजन समिति के अध्यक्ष तूफान कुमार पोद्दार,सहसंयोजक उमाशंकर चौबे, ई.के.एन. सिंह,खो- खो संयोजक गोविंद प्रसाद, ऐथलेटिक्स संयोजक वरुण कुमार,कबड्डी संयोजक मो. हैदर हुसैन,ऑफिशियल संयोजक मदन कुमार,वॉलीबॉल संयोजक मुकेश कुमार,तीरंदाजी संयोजक देवीधन टूडू, आकर्षक खेल संयोजक अरविंद कुमार साह, भारोत्तोलन संयोजक जयराम शर्मा,कुश्ती संयोजक संदीप कुमार जय बम बम,गुलेल संयोजक संतोष कुमार गोस्वामी,पुरस्कार वितरण संयोजक विद्यापति झा सहित सदस्य क्रमशः निमायकांत झा,दीपक कुमार झा,ज्ञान प्रकाश,निर्मल हांसदा,विनय कुमार सिंह, विनोद राय,मुनका मनीष हेंब्रम,रंजीत कुमार मिश्रा,मो.शमशेर,विकास चंद्रवंशी,दिव्यानी राय,अमित कुमार,दाउद अली,इंद्रजीत गुप्ता,गौरव सिंह,सुशील हेंब्रम,राजेश हेंब्रम अग्नेश मुर्मू,मोइन अंसारी,असीम हेंब्रम, संतोष पटेल,सुंदर राणा,मनोज मुर्मू,संतोष कुमार तिवारी, आशीष रंजन भारती, सुनेन्दु सरकार,डॉ. रूपम कुमारी,रवि यादव,नथनियल मरांडी, अब्दुल अफरोज, संजीव कुमार साह, प्रदीप झा सोनाधन हेंब्रम,विनीत कुमार सिंह, फरीद खान, असीम हेम्ब्रम,प्रिंस राज सिंह,अफरीद खान, अमित कुमार पाठक,शंभू कुमार,भजन कुमार मंडल,बंशीधर पंडित, निक्की एंजल सोरेन तथा स्मृति मुर्मू आदि की भूमिका सराहनीय रही।